दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 18 अक्तूबर, 2025 वर्ष 23, अंक 266, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

भगवंत मान ने शहीद भगत सिंह की दुर्लभ वीडियो फुटेज प्राप्त करने के लिए ब्रिटेन के कानूनविदों से सहयोग मांगा

इंग्लैंड और वेल्स की बार काउंसिल के प्रतिनिधिमंडल ने भगवंत मान से की मुलाकात, ब्रिटिश निवेशकों को अगले वर्ष होने वाले इन्वेस्ट पंजाब सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण दिया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की दुर्लभ वीडियो फुटेज प्राप्त करने में राज्य सरकार की सहायता के लिए ब्रिटेन के कानूनविदों से समर्थन की अपील की।

अपने सरकारी निवास पर इंग्लैंड और वेल्स की बार काउंसिल के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में इस महान शहीद की कोई भी वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि जानकारी के अनुसार स्कॉटलैंड यार्ड के पास भगत सिंह की दुर्लभ वीडियो फुटेज, विशेष रूप से उनकी गिरफ्तारी और मुकदमे की सुनवाई से संबंधित वीडियो, मौजूद हो सकती हैं।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये वीडियो पूरे भारतवासियों के लिए, विशेष रूप से पंजाबियों के लिए, अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भगत सिंह सभी के दिलों में अपार सम्मान रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही इन वीडियो फुटेज को प्राप्त करने के प्रयास कर रही है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उनसे प्रेरणा ले सकें।

उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स की बार काउंसिल से अपील की कि वे शहीद भगत सिंह की गौरवशाली विरासत को युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनाने के इस मानवीय और जनकल्याणकारी प्रयास में पंजाब सरकार का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे की पैरवी में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

एक अन्य मसले पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने ब्रिटिश निवेशकों को पंजाब में निवेश के लिए प्रेरित करने हेतु बार काउंसिल से सहयोग मांगा। उन्होंने बताया कि पंजाब में सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएँ हैं, जिनका निवेशक भरपूर लाभ उठा सकते हैं।

भगवंत सिंह मान ने ब्रिटिश निवेशकों को आगामी मार्च में होने वाले इन्वेस्ट पंजाब सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

इस अवसर पर इंग्लैंड और वेल्स की बार काउंसिल की चेयर बारबरा मिल्स के.सी., बार की चेयर की सलाहकार प्रीन ढिल्लों-स्टार्किंग्स, कंसल्टेंट मेलिशा चार्ल्स, और बैरिस्टर 4पी.बी. बलजिंदर बाठ सहित अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री को पूर्ण सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया।

उन्होंने भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य की आर्थिक उन्नति और जनकल्याण सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की भी सराहना की।

मोदी ने भगवंत मान को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को शुक्रवार को जन्मदिन की बधाई दी और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।' हास्य कलाकार एवं नेता मान ने 16 मार्च, 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' में 141 ग्राम व 2 महाग्राम पंचायतों में 8,029 लाभार्थियों को दिए आवंटन प्रमाण पत्र

संकल्प से सिद्धिः हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर गरीब परिवारों और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को मिली बड़ी सौगात

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गरीब परिवारों को बड़ी सौगात मिली। 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के दूसरे चरण के तहत प्रदेशभर में लाभार्थियों को 141 ग्राम व 2 महाग्राम पंचायतों में 8,029 प्लॉटों का आवंटन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के दूसरे चरण में पिंजौर शहर में 518 प्लॉटों का भी आवंटन किया गया। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के कुछ लाभार्थियों को मंच पर आवंटन पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद कल्याण, विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम

का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत लाभार्थियों को 3 हजार रुपये प्रति माह पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। 1 नवंबर, 2025 से सरकार इसमें 200 रुपये की वृद्धि करने जा रही है। जिसके बाद नवंबर माह से लाभार्थियों को 3200 रुपये प्रति माह का लाभ प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 100 गज के जिन लाभार्थियों को आज अधिकार पत्र प्रदान किए गए हैं, उनको रजिस्ट्री कराने की सुविधा के लिए धनतेरस के दिन भी तहसील खुली रहेंगी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विगत 26-27 जुलाई को ग्रुप–सी पदों की भर्ती के लिए सीईटी परीक्षा का सफल संचालन किया गया। युवाओं द्वारा दस्तावेजों में सुधार करने के लिए पोर्टल खोलने की मांग आई आ रही थी। आज हरियाणा कर्मचारी आयोग द्वारा इस करेक्शन पोर्टल को खोल दिया गया है। यह पोर्टल 17 अक्तूबर, 2025 से लेकर 24 अक्तूबर, 2025 रात 11:59 बजे मिनट तक खुला रहेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पंचायतों को विकास कार्यों के लिए स्टैम्प ड्यूटी और बिजली की खपत पर पंचायत सेस की 1,044 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि जारी की। साथ ही, प्रदेश के 322 गांवों में फिरनियों के निर्माण के लिए 169 करोड़ रुपये की राशि भी दी। इसके अलावा, शहरों में भी विकास कार्यों के लिए नगर निकायों को 1,483 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि जारी की गई। कुल मिलाकर आज पंचायतों और नगर निकायों को डेवलपमेंट ग्रांट के रूप में 2,697 करोड़ 34 लाख रुपये की राशि वितरित की गई। श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गौवर्धन पूजा, भाई दूज और छठ पूजा पर्वों की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हरियाणा के विकास व जनकल्याण के दौर का एक स्वर्णिम दिन है। भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का संकल्प, सेवा और समर्पण का पहला वर्ष पूरा हुआ है, जो सभी के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के सिर पर छत के लक्ष्य को पूरा करते हुए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के पहले चरण में 4,002 प्लॉटों का आवंटन किया गया था और आज 8,029 प्लॉटों का किया आवंटन किया गया है।

बिहार में राजग गठबंधन की 20 सालों में सबसे बड़ी बहुमत वाली सरकार बनेगी : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
पटना

बिहार में चुनाव सरगर्मी के बीच रैलियों और जनसभाओं का सिलसिला भी अब शुरू हो चुका है। तमाम दलों के नेता अपने-अपने उम्मीदवारों के पक्ष में लोगों से वोट करने की अपील कर रहे हैं। इसी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी शुक्रवार को सारण जिले के तरैया विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जनक सिंह के पक्ष में चुनावी सभा की।

जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस बार बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 20 सालों में सबसे बड़ी बहुमत वाली सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रचार की शुरूआत सारण से होती है, उसमें हमेशा विजय ही विजय मिलती है। यदि लालू यादव के जंगलराज के खिलाफ लड़ने का संकल्प लेना है और पूरे बिहार के युवाओं को 20 साल पहले लालू-राबड़ी द्वारा बनाई गई स्थिति याद दिलानी है, तो इसके लिए सारण-छपरा से अधिक उचित स्थान कोई नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं से आान किया कि वे राज्य की आम जनता तक सरकार की उपलब्धियों और संदेश को प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

अमित शाह ने कहा कि हम बिहार में नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में लड़ रहे हैं और देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। इस बार हमें चार-चार दीपावली मनाने का मौका मिल रहा है। पहली दीपावली जब प्रभु श्री राम वनवास से अयोध्या लौटे थे। वह कुछ दिनों के बाद आने वाली है। दूसरी दीपावली समाप्त हो गई, जब बिहार की हर जीविका दीदी के अकाउंट में नीतीश जी और मोदी जी ने 10-10 हजार रुपये भेजे हैं। छठी मैया की पूजा और दीपावली के दिन बिहार के माता-बहनों के खाते खाली नहीं रहेगा। तीसरी दीपावली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सुधार के साथ जब 395 चीजों के दाम कम कर दिए गए और चौथी दीपावली 14 नवम्बर को बनेगी, जब रिकॉर्ड मतों के साथ बिहार में राजग की सरकार बनेगी और लालू-राहुल का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि राजग की सरकार राज्य के 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को मुफ्त बिजली दे रही है। वृद्धा पेंशन तीन गुना बढ़ाया गया है। अब बिहार में कहीं जाने में 5 घंटे से ज्यादा का समय नहीं लगता। पहले बिहार में अपहरण और फिरौती की इंडस्ट्री चलती थी। अब बिहार में सड़क और उद्योग लगाने का काम राजग की सरकार कर रही है। अमित शाह ने कहा कि 550 साल तक रामलला अपनी जन्मभूमि पर एक झोपड़ी में विराजमान थे। जब मंदिर बनाने की बात उठी, तो कांग्रेस और उनके साथी दलों ने विरोध किया। नरेन्द्र मोदी जी ने 2019 में राम मंदिर का भूमि पूजन किया और प्राण प्रतिष्ठा के साथ मंदिर का भव्य निर्माण पूर्ण कराया। बिहार में भी सीतामढ़ी के पुनौराधाम में माता सीता का भव्य मंदिर बन रहा है। इससे पहले अमित शाह ने आज पटना के अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में नीतीश कुमार से मुलाकात की। करीब 18 मिनट तक दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मिस्र के विदेश मंत्री, दोनों नेताओं में रणनीतिक साझेदारी पर हुई वार्ता

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता के लिए दिल्ली आए मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास सात लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा शांति समझौते में मिस्र की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सिसी का आभार जताया और आशा

व्यक्त की कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित होगी। विदेश मंत्री अब्देलत्ती ने प्रधानमंत्री को उनकी यात्रा के दौरान आयोजित होने वाली पहली भारत-मिस्र सामरिक वार्ता के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अब्देलती से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। गाजा शांति समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति सिसी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी हमारे लोगों, हमारे साझा क्षेत्र और मानवता के लाभ के लिए निरंतर मजबूत होती जा रही है।

भीड़ की पिटाई से मारे गए हरिओम बाल्मीकि के परिजनों से मिले राहुल

एजेंसी (हि.स.)
फतेहपुर

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में भीड़ की पिटाई के दौरान मारे गए हरिओम बाल्मीकि के पीड़ितों आज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने मुलाकात की। राहुल ने पीड़ित परिजनों से बात की और उनका दुख-दर्द सुनने के बाद अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। राहुल गांधी ने मृतक के परिजनों को कांग्रेस पार्टी की तरफ से हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

घटना को कांग्रेस पार्टी ने गंभीरता से लिया। शुक्रवार को सुबह 9.30 बजे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल

गांधी मृतक हरिओम बाल्मीकि के पिता व भाई व अन्य परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे। गांधी ने पीड़ित परिवार के लोगों को मदद का भरोसा दिया। राहुल गांधी ने कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए और हत्यारोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

फतेहपुर के रहने वाले 38 साल के दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की विगत 2 अक्टूबर 2025 को रायबरेली जनपद में चोर समझ कर भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। युवक का शव रायबरेली जनपद के थाना हरचंदपुर के ईश्वरदास पुर रेलवे हाल्ट के पास मिला था। इसके बाद उसकी पिटाई का वीडियो वायरल हुआ। इस संबंध में अभियोग पंजीकृत करके 12 हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेजने की कार्रवाई कर चुकी है। मृतक के भाई शिवम ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि हम प्रशासन की कार्रवाई से संतुष्ट हैं। राहुल गांधी यहां राजनीति करने ना आएं। इससे पहले हरिओम के परिजनों ने राहुल गांधी से मिलने से इनकार किया था।

विकास किसी भी समुदाय को पीछे छोड़कर नहीं, सभी समुदायों के साथ मिलकर ही संभव: द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विकास किसी भी समुदाय को पीछे छोड़कर नहीं बल्कि सभी समुदायों के साथ मिलकर ही संभव है। शुक्रवार को विज्ञान भवन में आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान 2025 राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आदिवासी समाज अपने स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की परंपरा पर कायम है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों का चरित्र ऐसा है कि वे अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करते हैं, मांगना नहीं जानते और अपनी संस्कृति एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अब यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दे रही है कि आदिवासी समाज के विकास के लिए योजनाएं सिर्फ बनाई ही न जाएं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ भी समुदाय तक पहुंचे। उन्होंने कहा, ह्लआदिवासी भाई-बहन कभी सरकार से मांग नहीं करते, वे अपने स्वाभिमान के साथ जीते हैं। इसलिए हमें उनके लिए स्वतंत्र रूप से सोचने और उन्हें सिखाने की जरूरत है कि वे खुद के अधिकारों के लिए बोलना और समाज के लिए काम करना सीखें।

सम्मेलन में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, राज्य मंत्री दुगार्दास उइके, विभिन्न मंत्रालयों के केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, जिला उपायुक्त, आदि कर्मयोगी, आदि साथी एवं राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने बताया कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू किया गया आदि कर्मयोगी अभियान अब विश्व का सबसे बड़ा आदिवासी नेतृत्व मिशन बन चुका है। इसके तहत 20 लाख से

अधिक अधिकारियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और आदिवासी युवाओं को 1 लाख से अधिक आदिवासी गांवों में प्रशिक्षित किया गया है।

राज्य मंत्री दुगार्दास उइके ने कहा कि यह मिशन सामुदायिक नेतृत्व आधारित परिवर्तन की राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुका है, जो आत्मनिर्भरता, नवाचार और अभिसरण को बढ़ावा देता है।

सचिव विभू नायर ने पांच प्रमुख क्षेत्रों– शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, अवसंरचना और सुशासन– में अभिसरण आधारित मॉडल की सफलता पर प्रकाश डाला और ह्यसेवा, समर्पण और संकल्प की भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

सम्मेलन में पांच थीमैटिक सत्रों में गहन विमर्श हुआ जिसमें के दौरान सुशासन एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण, शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, आजीविका एवं उद्यमिता, तथा अवसंरचना शामिल है। इन पांच स्तंभों पर राज्यवार रणनीतियों और ग्राम कार्ययोजनाओं के आधार पर चर्चा हुई।

इन सत्रों के निष्कर्षों के आधार पर नीतिगत सुधार, दिशा-निर्देशों का अद्यतन और नवाचार व प्रौद्योगिकी आधारित सफल मॉडलों को पूरे देश में लागू करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

सम्मेलन के दौरान ट्राइबल बिजनेस कॉन्क्लेव 2025 की घोषणा की गई, जो 12 नवंबर 2025 को आयोजित होगा। यह कार्यक्रम आदिवासी स्टार्टअप, कारीगरों, उत्पादक समूहों और सहकारी समितियों के लिए उद्यमिता और बाजार से जुड़ाव का बड़ा मंच प्रदान करेगा।

इसके साथ उत्कृष्ट प्रदर्शकों को सम्मान पीएम-जनमान, धरती आबा जनभागीदारी अभियान और आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मंत्रालयों, राज्यों, जिलों, मास्टर ट्रेनरों, आदि साथियों और आदि सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति ने 45 से अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शनकताओं को स्मृति चिह्न प्रदान किए और 50 से अधिक फील्ड स्तर की सराहनीय

सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है: उमर अब्दुल्ला

एजेंसी (हि.स.)
कुलगाम

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही और अधिकार (राज्य का दर्जा) दिए जाएँगे जिसमें देरी हो रही है और इसके पीछे की वजहें सिर्फ.भारतीय जनता पार्टी ही जानती है।

कुलगाम में पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा कि राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया एक वादा था और इसे अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद थी कि केंद्र एक साल के भीतर राज्य का दर्जा बहाल कर देगा। हमें नहीं पता कि इसमें देरी क्यों हो रही है, यह तो सिर्फ. भाजपा ही जानती है। लेकिन इसके लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

द्विवार्षिक दरबार मूव प्रथा के पुनरुद्धार पर उमर ने कहा कि मैंने पहले दिन से ही स्पष्ट कर दिया था कि केंद्र शासित प्रदेश में हमने जो भी वादे किए हैं उन्हें पूरा करेंगे। दरबार मूव हमारे घोषणापत्र में किए गए वादों में से एक था और 2021 से इसे बहाल कर दिया गया है। आरक्षण के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सकीना इटू के नेतृत्व में एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया गया था और उसने अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ज्ञापन तैयार किया जा रहा है और इसे मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेजा जाएगा। किसानों को हुए नुकसान के बारे में उमर ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर विधानसभा का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जहाँ भी कृषि या बागवानी फसलों को नुकसान हुआ है, उसका आकलन पूरा हो चुका है। अन्य राज्यों की तरह राहत पैकेज के लिए केंद्र के साथ बातचीत चल रही है। जम्मू-कश्मीर भी ऐसे पैकेज का हकदार है।

कोविड-19 प्रतिबंधों के दौरान दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने के बारे में उमर ने कहा कि कानून-व्यवस्था अभी चुनी हुई सरकार के हाथ में नहीं है। एक बार जब हम उन शक्तियों को वापस पा लेंगे तो हम अपने अन्य वादे भी पूरे करेंगे।

इस बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उमर अब्दुल्ला ने कुलगाम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा किया।

पोस्ट में लिखा है कि मुख्यमंत्री ने कुलगाम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा किया जहाँ प्रमुख सरकारी योजनाओं, जन कल्याणकारी पहलों और प्रमुख कार्यक्रमों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

इसमें आगे कहा गया है कि उन्होंने अधिकारियों और लाभार्थियों से बातचीत की और नागरिक-केंद्रित शासन और प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की।

जायका परियोजना के तहत वितरित की गई न्यूट्री किचन गार्डन किट्स

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना (चरणझक्क) के तहत मंडी जिला के गोहर ब्लॉक परियोजना प्रबंधन इकाई द्वारा किसानों को न्यूट्री किचन गार्डन किट्स वितरित की जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि परिवारों को शुद्ध, ताजी और पोषक सब्जियां घर पर ही उपलब्ध हो सकें।

ब्लॉक परियोजना प्रबंधक डॉ नरेन्द्र कुमार ने बताया कि इन किट्स में मौसमी सब्जियों के बीज शामिल हैं। किसानों को बीज बुवाई, पौधों की देखभाल, सिंचाई के तरीकों तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के उपायों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। गोहर इकाई ने एफआईएस गवाड़, सुरथीझथाची, गद्दीमनझमझोठी, खरखन खड्डुझलेहोटी, देओलीझदेलग टिक्करी, कंसा खड्डुझपलहोटा, नोगी खड्डुझकाण्डलू, काण्डलूझबिठरी, गवारझमस्वारी, सन्दोआ, शनि मंदिरझपंचक्कर और बढारनुझगिरजनू में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि न्यूट्री किचन गार्डन योजना से ग्रामीण परिवारों को न केवल स्वास्थ्यवर्धक आहार मिलेगा, बल्कि रासायनिक उत्पादों पर निर्भरता भी घटेगी। किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब वे अपने घरों में किचन गार्डन तैयार कर स्वावलंबन की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी, जल और पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार होता है, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए टिकाऊ कृषि व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है।

डॉ. कुमार ने बताया कि हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में अब तक 306 उप परियोजनायें संचालित की जा चुकी हैं, जिनसे लगभग 8,000 हेक्टेयर भूमि और करीब 30,000 किसान परिवार जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक पद्धति से खेती को लाभदायक, स्वास्थ्यवर्धक और पर्यावरणझअनुकूल बनाना है। भविष्य में न्यूट्री किचन गार्डन कार्यक्रमों को और अधिक गांवों में विस्तारित किया जाएगा, ताकि हिमाचल प्रदेश को जैविक खेती और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में अग्रणी राज्य बनाया जा सके।

शिमला में पेंशनरों का प्रदर्शन, बोले—अपने लिए माननीयों के पास पैसा, जनता के लिए तंगी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पेंशनरों ने लंबित वित्तीय देनदारियों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की है। शुक्रवार को शिमला में पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले बड़ी संख्या में पेंशनर उपायुक्त कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार अपने लिए वेतन और भत्तों में लगातार बढ़ोतरी कर रही है, लेकिन पेंशनरों और कर्मचारियों के हक की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र एरियर, महंगाई भत्ता (डीए) और मेडिकल बिलों का भुगतान नहीं किया गया, तो सरकार को इसके परिणाम आने वाले चुनावों में भुगतने पड़ेंगे। पेंशनरों का कहना है कि उम्र के इस पड़ाव में अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरना मजबूरी बन गया है, जो अत्यंत दुखद है। उनका आरोप है कि सुक्खू सरकार ने दो दिन पहले तीन फीसदी डीए देने की घोषणा की, जबकि 16 फीसदी डीए लंबित है। इसमें से चार फीसदी की किस्त जारी की जानी थी, लेकिन सरकार ने उसमें भी एक फीसदी का झोल कर दिया। इससे पेंशनरों में भारी नाराजगी है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि छठे वेतन आयोग का एरियर वर्ष 2016 से लंबित है, जबकि जनवरी 2026 में नया वेतनमान लागू होने जा रहा है। वर्षों से मेडिकल बिलों का भुगतान न होने के कारण पेंशनरों को इलाज तक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कई पेंशनर बिना इलाज के मौत के मुंह में जा चुके हैं, जो सरकार के लिए शर्मनाक स्थिति है।

पेंशनर वेलफेयर संघ शिमला इकाई के महासचिव सुभाष वर्मा ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द सभी लंबित वित्तीय देनदारियों का निपटारा करे। उन्होंने कहा कि जो वर्ग पूरी उम्र सरकार की सेवा में समर्पित रहा, आज उसी को अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, जो किसी भी संवेदनशील सरकार के लिए कलंक से कम नहीं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने संगडाह इकाई का किया गठन, मनीष चौहान अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगड़ाह इकाई की नई कार्यकारिणी सत्र 2025-26 के लिए गठित की गई। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री सचिन सपटा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने एबीवीपी को विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बताते हुए कहा कि यह संगठन समाज, राष्ट्र और छात्रहित के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

चुनाव अधिकारी के रूप में तहसील संयोजक हर्ष ठाकुर ने अध्यक्ष पद के लिए मनीष चौहान और मंत्री पद के लिए नितिश शर्मा के नामों की घोषणा की। इसके बाद इकाई अध्यक्ष मनीष चौहान ने कार्यकारिणी का विस्तार किया।

नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष रजनीश चौहान, शुभम शर्मा, अजीत ठाकुर, पूजा चौहान और ज्योति शर्मा बने हैं। सह मंत्री पद पर मनोज कुमार, नितेश चौहान, हर्ष, अनिल ठाकुर और रितिका ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समीर शर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। अमन मीडिया प्रमुख और नीतू शर्मा मीडिया सह प्रमुख रहेंगी। सोशल मीडिया प्रमुख कुशल और सह प्रमुख करण चौहान होंगे।

एसएफडी प्रमुख पायल शर्मा, एसएफएस प्रमुख प्रज्ञा भारद्वाज और उनकी सह प्रमुख पायल बनीं। राष्ट्रीय कला मंच की जिम्मेदारी अंबिका सूर्यवंशी को मिली जबकि सह प्रमुख तमन्ना शर्मा होंगी। हेलो भारत प्रमुख पवन कुमार और सह प्रमुख अनुज ठाकुर होंगे। एलिस चौहान जनजातीय कार्य प्रमुख, मीनाक्षी शर्मा पछक्कप्रमुख, नंदिनी पजाईक एनसीसी प्रमुख और विनू चौहान एनएसएस प्रमुख बनाए गए हैं।

इसके अलावा छात्र उद्घोष प्रमुख अखिल चौहान, बी.ए. प्रमुख आंचल चौहान, बी.कॉम प्रमुख तनु शर्मा और छात्रा-छात्रावास प्रमुख के रूप में नंदिनी और मीनाक्षी को नियुक्त किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

सांसद सुरेश कश्यप की अध्यक्षता में दिशा बैठक, विकास योजनाओं की समीक्षा

नाहन। नाहन के बचत भवन में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सांसद सुरेश कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पांवटा साहिब के विधायक सुखराम चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सांसद कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की योजनाओं को सक्रियता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए ताकि इनका लाभ आम लोगों तक पहुंचे। उन्होंने बरसात से क्षतिग्रस्त हुई राष्ट्रीय उच्च मार्गों की जल्द मरम्मत के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 4072 वृद्धजनों को 4 करोड़, विधवा पेंशन योजना के तहत 1418 महिलाओं को 1.32 करोड़, दिव्यांग पेंशन योजना में 48 लाभार्थियों को 5 लाख और राष्ट्रीय परिवार सहायता कार्यक्रम के तहत 37 परिवारों को 7.40 लाख की सहायता दी गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर पालिका नाहन में 331 आवास पूरे हो चुके हैं और 25 निमार्णाधीन हैं, जबकि राजगढ़ में 63 आवास पूरे हुए और 13 निमार्णाधीन हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नाहन और पांवटा साहिब में 267-267 व्यक्तिगत शौचालय बनाए गए हैं। इसके अलावा, आजीविका मिशन के तहत 251 स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं। सांसद कश्यप ने कहा कि अधिकतर विभाग अच्छा कार्य कर रहे हैं, लेकिन सड़कों की स्थिति खराब है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के गैरहाजिर अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा ढहा, वाहनों की आवाजाही बाधित

बनिहाल। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा गुरुवार रात को ढह गया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक शुभम यादव ने शुक्रवार को बताया कि पिछली दीवार का 40 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। उससे सटी सावनी पंचायत संपर्क सड़क धंस गई है। उन्होंने कहा कि चार लेन वाले राजमार्ग की एक ट्यूब बंद कर दी गई है। कटाव का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित ट्यूब को जल्द से जल्द यातायात योग्य बनाने के लिए मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में यातायात को एक ही चालू ट्यूब के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे इस हिस्से पर आवाजाही धीमी हो गई है। उन्होंने बताया कि इसके ढहने से सावनी पंचायत संपर्क सड़क का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे संपर्क प्रभावित हुआ है। एनएचएआई जिला प्रशासन और यातायात विभाग के अधिकारी मौके पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, ताकि कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले रणनीतिक राजमार्ग पर यातायात सुचारू किया जा सके।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वापस लाने के लिए उपराज्यपाल सिन्हा रूस रवाना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शुक्रवार को रूस के कलमीकिया के लिए रवाना हुए। वे एक सप्ताह तक चलने वाली प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल कहा कि रूस के कलमीकिया के लिए रवाना हो रहा हूँ जहाँ मैं एक सप्ताह तक चलने वाली प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूँगा। मैं इस पावन अवसर के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हृदय से धन्यवाद करता हूँ। ओम नमो बुद्धाय। यह प्रदर्शनी संस्कृति मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित की जा रही है। पवित्र अवशेषों को एलिस्टा के मुख्य बौद्ध मठ गेडेन शेड्रुप चोइकोरलिंग मठ में स्थापित किया जाएगा जिसे शाक्यमुनि बुद्ध के स्वर्ण निवास के रूप में जाना जाता है।

चुल्ला हाइड्रो प्रोजेक्ट से लगभग 150 करोड़ रुपये की आय का अनुमान: केवल सिंह पठानिया

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज जोगिंदर नगर में चुल्ला हाइड्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया तथा प्रोजेक्ट अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। इस दौरान उन्होंने की प्रगति, उत्पादन क्षमता एवं आर्थिक स्थिति की जानकारी ली।

केवल सिंह पठानिया ने बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के जोगिंदर नगर दौरे के उपरांत ही चुल्ला हाइड्रो प्रोजेक्ट सुचारू रूप से संचालित हो सका है। मुख्यमंत्री ने अपने उस दौरे के दौरान प्रोजेक्ट का स्थल निरीक्षण किया था तथा इसके लिए 185 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की थी। इस वित्तीय सहायता के फलस्वरूप प्रोजेक्ट ने मूर्तरूप लिया और अब मात्र आठ महीनों में 300 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया है, जिससे लगभग 150 करोड़ रुपये की आय का अनुमान लगाया गया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की दूरगामी सोच और ऊर्जा क्षेत्र में हिमाचल के हितों की रक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। पठानिया ने बताया कि यह परियोजना वर्ष 2002 से निमार्णाधीन थी। लगभग 435 करोड़ रुपए में तैयार होने वाली इस परियोजना पर लगभग 3000 करोड़ रुपये का खर्च आया, जिसमें से लगभग 1700 करोड़ रुपए इंटरेस्ट ड्यूरिंग कंस्ट्रक्शन के रूप में केवल निर्माण में हुई देरी के कारण व्यय हुए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार राज्य हितों की प्रभावी पैरवी कर रही है। इसी का सुपरिणाम है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कड़छम- वांगतू जलविद्युत परियोजना से रॉयल्टी को लेकर राज्य सरकार के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। इससे अब जेएसडब्ल्यू एनर्जी कंपनी को 1045 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना से हिमाचल को 12 प्रतिशत के बजाय 18 प्रतिशत रॉयल्टी देनी होगी। इससे प्रदेश सरकार को लगभग 150 रुपए करोड़ की वार्षिक अतिरिक्त आय होगी। साथ ही 12 वर्ष पूर्ण कर चुकी अन्य परियोजनाओं के लिए भी यह फैसला मील पत्थर साबित होगा। इस फैसले से राज्य सरकार के खजाने में प्रति वर्ष 250 करोड़ से अधिक की आय आएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को व्यक्तिगत प्राथमिकता पर लिया और प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ प्रयास किए। वाइल्ड फ्लावर हॉल की स्वामित्व मामले में भी हिमाचल को बड़ी सफलता मिली है और इस संपत्ति से प्रदेश सरकार को लगभग 401 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। यह मामला लगभग तीन दशकों से विचाराधीन था और वर्तमान प्रदेश सरकार ने इसकी पुरजोर ढंग से पैरवी की।

29 से शुरू होगी तकनीकी विवि की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 29 से 31 अक्तूबर तक आयोजित की जाएगी। तकनीकी विवि ने वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शेड्यूल जारी किया है। इस वर्ष की खेलकूद प्रतियोगिता गौतम कॉलेज ऑफ फामेर्सी हमीरपुर में होगी।

तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ राजेश कुमार ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता के बारे में तकनीकी विवि से संबंधित सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों को सूचित कर दिया है। सभी शिक्षण संस्थानों को खेलकूद प्रतियोगिता में टीमें भेजने का आग्रह किया है। अधिष्ठाता शैक्षणिक ने कहा कि इस वर्ष की खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में भाग लेने वाली शिक्षण संस्थानों की टीमों को 28 अक्तूबर सायं पांच बजे रिपोर्ट करनी होगी।

उन्होंने कहा कि छात्र व छात्रा वर्ग की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में इस वर्ष कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, जूडो, शतरंज, कैरम बोर्ड, टेबल टेनिस और पिकलबॉल खेल शामिल किए गए हैं।

निगरानी

मांजू डाबरी पंचायत में 1 करोड़ 14 लाख रुपये की लागत से बने दो मंजिला नए पंचायत घर का लोकार्पण

नए पंचायत घरों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे: मंत्री अनिरुद्ध सिंह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

प्रदेश में बन रहे सभी नए पंचायत घरों में अब सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि पंचायत कार्यालयों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। यह बात शुक्रवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के कोहलू जुब्बड़ और मांजू डाबरी पंचायतों में नए पंचायत घरों के लोकार्पण के अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पंचायत घरों में महत्वपूर्ण अभिलेख और दस्तावेज सुरक्षित रहते हैं, इसलिए इनकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। सीसीटीवी कैमरों से इन भवनों की चौबीस घंटे निगरानी हो सकेगी। मंत्री ने कहा कि पंचायत भवन जनता की संपत्ति हैं, जिनका उपयोग स्थानीय लोग अपने पारिवारिक कार्यक्रमों जैसे शादी आदि के लिए कर सकते हैं। इसके लिए पंचायतें एक उचित शुल्क तय करें ताकि पंचायत को आय भी हो और भवन की देखरेख भी हो सके। मांजू डाबरी पंचायत में 1 करोड़ 14 लाख रुपये की लागत से बने दो मंजिला नए पंचायत घर का लोकार्पण करते हुए उन्होंने बताया कि इस भवन में पुस्तकालय, बैठक हॉल, सम्मेलन कक्ष, प्रधान कक्ष, पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, मनरेगा सहायक, रसोईघर और शौचालय जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। मंत्री ने पंचायत भवन के लिए डेढ़ लाख रुपये की राशि फर्नीचर खरीद हेतु देने की भी घोषणा की।

मांजू डाबरी में उन्होंने गुम्मा-कंडा सड़क का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर मंत्री ने जनसमस्याएं सुनीं और कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कुई गांव में टैंक निर्माण की मांग पर जल शक्ति विभाग को निर्देश दिए कि भूमि चयन के बाद तुरंत टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने श्मशान घाट तक रास्ता बनाने के लिए 2 लाख रुपये देने की घोषणा की और निर्देश दिए कि पंचायत घर के साथ लगती भूमि पर खेल मैदान बनाया जाए ताकि स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में इस पंचायत के विकास कार्यों के लिए विभिन्न मदों से 52 लाख रुपये से अधिक की राशि जारी की जा चुकी है।

कोहलू जुब्बड़ में भी नए पंचायत भवन का लोकार्पण किया गया। मंत्री ने कहा कि पहले यह पंचायत ढली पंचायत में संचालित हो रही थी, लेकिन अब नया भवन बनकर तैयार हो गया है और दिवाली के बाद कोहलू जुब्बड़ पंचायत का संचालन नए भवन से ही किया जाएगा। उन्होंने रामनगरी से कटली मार्ग का भी शिलान्यास किया और टिककरी से क्यार कोटी रास्ते के लिए 2 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश भर में लगभग 150 नए पंचायत भवन बनाए जा रहे हैं, जिन पर प्रति भवन करीब 1 करोड़ 14 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोहलू जुब्बड़ में अब पटवार सर्कल भी स्थानांतरित किया जाएगा ताकि लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए दूर न जाना पड़े। मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक विकास पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के समय में हुआ और अब वर्ष 2023 से इस क्षेत्र में एक बार फिर विकास की रफ्तार तेज हुई है।

मंत्री ने बताया कि जिन क्षेत्रों में सड़क निर्माण प्रस्तावित है, वहां की भूमि की गिफ्ट डीड प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि मार्च 2026 तक सभी प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं पर कार्य शुरू किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा नए ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य तीव्र गति से चल रहा है और यह कार्य मार्च 2026 से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

इस मौके पर स्थानीय लोगों ने भी अपनी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, पंचायत प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है सरकार: नायब सैनी

कहा -स्पष्ट नीति और साफ नीयत के साथ प्रदेश में तीन गुणा गति से हो रहा विकास

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के कल्याण तथा उनके सर्वांगीण उत्थान के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की विकास की नीति स्पष्ट है, नीयत साफ है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में तीन गुणा गति से विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद कल्याण, विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। वंचित अनुसूचित जातियों को दिया उनका अधिकार, सरकारी नौकरियों, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी हुई सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक वंचित रह गई अनुसूचित जातियों को उनका अधिकार दिया है। इससे इन जातियों के लिए सरकारी नौकरियों में, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी सुनिश्चित हुई है। पिछड़ा वर्ग-बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया है। सरपंच पद के लिए 5 प्रतिशत तथा अन्य पदों के लिए उनकी जनसंख्या का 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके अलावा, सरकार ने प्रजापति समाज को मिट्टी के बर्तन का कारोबार चलाने के लिए 1700 गांवों में आवा-पजावा जमीन का अधिकार पत्र दिया है। अब उनके काम में कोई बाधा नहीं आएगी। हमने प्रजापति समाज के सम्मान को बढ़ाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य के गठन से पहले के पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक देने हेतु हरियाणा ग्राम शामलात भूमि अधिनियम 1961 में संशोधन किया है। पंचायतों व पालिकाओं की भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से काबिज परिवारों को मालिकाना हक देने का प्रावधान किया है। इसके तहत कोई भी नागरिक कलेक्टर रेट के डेढ़ गुणा मूल्य पर उस भूमि का मालिकाना हक बारे उपायुक्त को आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 31 मार्च, 2027 तक घरों की छतों पर 2 किलोवाट तक का सोलर सिस्टम लगभग मुफ्त में लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में अब तक 37,825 सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। अगर किसी को 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाना है तो तीसरे 1 किलोवाट के लिए 18 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है। पिछले 11 साल में 1 लाख 61 हजार 837 सोलर पंप लगाए हैं। इनमें से 33,553 सोलर पंप पिछले एक साल में लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि पूरे हरियाणा का संतुलित विकास। चाहे वह शहर हो या गांव, गरीब हो या अमीर, हर किसी को विकास का लाभ मिले। यही हमारा संकल्प है और इसी मार्ग पर हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आान किया कि हम सब मिलकर हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएं। हम सबका प्रयास ही हमारे सपनों के हरियाणा को गढ़ेगा। एक समृद्ध, विकसित और खुशहाल हरियाणा बनाएगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, डीजीपी श्री ओ पी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार की गलत नीतियों से किसान व आढ़ती बबार्दी के कगार पर है: बजरंग गर्ग

संवाददाता
लाडवा

हरियाणा प्रदेश के व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने किसान व आढ़तियों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि सरकार की गलत नीतियों से किसान व आढ़ती बबार्दी के कगार पर है। सरकारी अधिकारी नमी के नाम पर 1750 से 2100 रुपए प्रति क्विंटल धान की खरीद कर रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धान की खरीद 3100 रुपए प्रति क्विंटल करने का व्यादा किया था। सरकार धान की खरीदी 3100 रुपए करना तो दूर की बात सरकार धान 2389 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर भी खरीद नहीं कर रही हैं जिसके कारण किसानों में सरकार के प्रति बड़ा भारी रोष है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकारी एजेंसियों द्वारा धान खरीद में करोड़ों रुपए का घोटाला किया जा रहा है। इसी प्रकार बाजरा एमएसपी की दरों से 900 रुपए से 1400 रुपए प्रति क्विंटल कम दामों में बिक रहा है। धान व बाजरे खरीद घोटाले की उच्चस्तरीय जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जबकि इसी सरकार में पहले भी करोड़ों रुपए का धान घोटाला हुआ था, जिसकी एफआईआर दर्ज है। सरकार ने करोड़ों रुपए का धान घोटाला को जांच के नाम पर ठंडे बस्ते में डाल दिया है। पिछले करोड़ों रुपए धान घोटाला में आज तक दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसी सरकार में धान, बाजार, सरसों, शराब, खनन, रजिस्ट्री आदि अनेकों करोड़ों रुपए के घोटाले हुए हैं। एक भी घोटाला पर असली दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है क्योंकि दोषियों को पूरी तरह सरकार का आशीर्वाद प्राप्त है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी झूठ बोलने का कर रहे काम: मेवा सिंह

अनिल गोयल
लाडवा

- जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने लाडवा में खोली भाजपा की पोल

भाजपा सरकार ने जनता से जो वायदे किए थे उनको पूरा करने में सरकार विफल साबित हुई है। प्रदेश में एक वर्ष में अमन चैन और भाई चारे को बिगाड़ने के काम भाजपा सरकार ने किया। आखिर एक वर्ष में जो वायदे जनता से किए थे। वह केवल चुनावी वायदे थे। जिसे जनता भली भांति जान चुकी है। प्रदेश सरकार ने अब तक कोई नया विकास कार्य नहीं किया बल्कि झूठ बोलने का मुख्यमंत्री नायब सैनी निरंतर काम कर रहे है। उपरोक्त शब्द जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने लाडवा में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यकाल में प्रदेश में आए दिन लूटपाट, फिरौती ओर बदमाशों के हौसले बढ़ रहे है । आज अपराध ,भ्रष्टाचार, चोरी ओर डकैती में प्रदेश नंबर एक पर आ गया है। मेवा सिंह ने कहा कि लाडवा विधानसभा क्षेत्र कितना सुरक्षित है। इस बात से सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि जहां कारोबार करने वाले उन 9 व्यक्तियों को पुलिस सुरक्षा मुहैया करवाई है। जिनसे फिरौती मांगी गई और जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। जब लाडवा क्षेत्र ही सुरक्षित नहीं भला प्रदेश की जनता किस प्रकार अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने क्षेत्र की जनता से लाडवा बाईपास की घोषणा की थी। एक वर्ष बीत जाने के बाद भी बाईपास का कार्य शुरू नहीं बल्कि जनता से बार बार झूठ बोलने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए डीपीआर बनने में समय लगता है पहले नक्शा तैयार होता है, जमीन रिक्वायर होती है और भी बहुत से कार्य होते है। लेकिन अभी कुछ नहीं हुआ मुख्यमंत्री जनता को गुमराह करने का काम कर रहे है। क्योंकि ना तो सरकार को पता है और ना ही प्रशासन को आखिर बाईपास बनेगा कहा से अभी तक डीपीआर बनाने वाली एजेंसी भी हायर नहीं हो पाई। लेकिन नायब सैनी क्षेत्र की जनता को झूठा आश्वासन देने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि पीपली बस स्टैंड को अंतराष्ट्रीय बस स्टैंड बनाने की घोषणा की गई कभी फीता तो कभी शिलान्यास करने का कार्य किया जा रहा है। आज बस स्टैंड के हालत भी बद से बदतर होते जा रहे है।

जिला अध्यक्ष मेवा सिंह ने कहा बाबैन में महिला कॉलेज और बस स्टैंड की घोषणा की गई। लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई कार्य शुरू नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि धनौरा जाटान में खेल स्टेडियम पिछले 11 वर्षों से अभी तक पूरा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के लिए 18 जनवरी 2024 को 29 करोड़ का टेंडर एलाट हुआ था लेकिन अभी तक सड़क का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री नायब सैनी लाडवा बाजार में दुकानदारों को जीएसटी कम होने के फायदे बता रहे है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले सरकार को बताना चाहिए आखिर जीएसटी बढ़ाया किसने था। उन्होंने कहा भाजपा सरकार किसानों की कभी भी हितैषी नहीं रही। मंडियों में किसानों को कोई पूछने वाला नहीं किसानों की बेकद्री करने का काम भाजपा सरकार ने किया। उन्होंने कहा आज प्रदेश का हर वर्ग अपने आप को ठगा हुआ सा महसूस कर रहा है। इस अवसर पर कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन में अब तक 5932.47 करोड़ की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

संवाददाता
चंडीगढ़

- हरियाणा की मंडियों से अब तक 35,34,452 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई
- राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 2,02,812 किसानों से धान की खरीद की गई

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 5932.47 करोड़ की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है।

इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को देखते हुए जिला की सभी अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने कहा कि जिले में हैफेड, वेयर हाउस और फूड एंड सप्लाई एजेंसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 2,02,812 किसानों से धान की खरीद की गई है। प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 38,92, 348 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 27,11,226 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 35,34,452 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की खरीद भारत सरकार द्वारा धान की खरीद न्यूनतम समर्थन में करती हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है। सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार - बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेजी लाई जा रही है।

स्व. खेमचंद गोयल ने लाडवा के विकास और समाज सेवा में अमूल्य योगदान दिया : सैनी

संवाददाता
लाड़वा

लाडवा के बाबा बंसी वाले वृद्धाश्रम में भारत विकास परिषद के संस्थापक स्व. खेमचंद गोयल की प्रथम पुण्यतिथि पर भारत विकास परिषद की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में मुख्यमंत्री नायब सैनी के प्रतिनिधि कैलाश सैनी व विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी सचिन गर्ग पहुंचे। कैलाश सैनी ने कहा कि स्व. खेमचंद गोयल ने लाडवा के विकास और समाज सेवा में अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे व्यक्तित्व दुर्लभ होते हैं, जिनकी सोच और कार्य दोनों ही आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि सचिन गर्ग ने कहा कि खेमचंद गोयल केवल भारत विकास परिषद के संस्थापक ही नहीं, बल्कि श्री अग्रवाल सभा लाडवा के भी कई वर्षों तक प्रधान रहे। उनके नेतृत्व में अग्रवाल सभा ने कई ऊंचाइयों को छुआ। वे ऐसे व्यक्ति थे जो किसी भी जरूरतमंद को निराश नहीं लौटाते थे और सदैव समाज हित में अग्रणी रहते थे। वहीं परिषद के प्रधान अमन गोयल ने बताया कि स्व. खेमचंद गोयल ने लाडवा में भारत विकास परिषद की नींव रखी थी। उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप यह स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि खेमचंद गोयल जी के समाजसेवी कार्यों से प्रेरित होकर

परिषद निरंतर जनसेवा के कार्यों में जुटी है। इससे पूर्व इंडस इंटरनेशनल अस्पताल की टीम ने सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। परिषद की ओर से जिन मरीजों को दवाओं की आवश्यकता थी, उन्हें निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। साथ ही, आयोजित रक्तदान शिविर में 170 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। वहीं सभी अतिथियों को परिषद की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, जबकि रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रधान अमन गोयल, अमृतपाल गर्ग, अरविंद सिंघल, पूनम सैनी, दुर्गेश गोयल, संजीव मंगला, नवीन गर्ग, तिलक राज, गुलशन कालड़ा, सुमित आदि मौजूद थे।

एक दिया देश के नाम का संदेश लेकर हरियाणा की बेटियाँ कश्मीर में सैनिकों के साथ दिवाली मनाएंगी

संवाददाता
चंडीगढ़

- माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष ने एक दिया देश के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ कर 50 छात्राओं को कश्मीर के लिए किया रवाना

हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की 50 छात्राओं को आज हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने एक दिया देश के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत राजभवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर कश्मीर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष और राज्यपाल के सचिव श्री डी.के. बेहरा भी उपस्थित थे। एक दिया देश के नाम कार्यक्रम मीडिया छात्र एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की देश सेवा से प्रेरणा लेकर आयोजित इस यात्रा में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों की छात्राएँ कश्मीर जाकर सीमाओं पर तैनात सैनिकों के साथ दीपावली का पर्व मनाएंगी।

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ह्रदयदि आज हम अपने घरों में सुरक्षित रहकर खुशियाँ मना रहे हैं, तो इसका श्रेय हमारे उन वीर सैनिकों को जाता है जो सीमाओं पर देश की रक्षा में दिन-रात तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियाँ इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल कायम कर रही हैं। हमें गर्व है कि हरियाणा की धरती सदा से शौर्य, पराक्रम और देशभक्ति के लिए जानी जाती रही है।

माननीय राज्यपाल ने छात्राओं के उत्साह, समर्पण और देश सेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियाँ आज शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक कार्यों सहित प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। हमें हरियाणा की बेटियों पर गर्व है, उन्होंने कहा। भारतीय सैनिकों की अदम्य साहस और कर्त्तव्यनिष्ठा को रेखांकित करते हुए माननीय राज्यपाल प्रो0 असीम कुमार घोष ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने जब भी जरूरत पड़ी दुश्मनों से डटकर सिर्फ मुकाबला ही नहीं किया बल्कि उन्हें भारी शिकस्त दी, चाहे 1948, 1965 व 1971 की लड़ाई हो या कारगिल युद्ध हो, हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा देश का नाम रोशन किया। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस अवसर पर कार्यक्रम से जुड़ी छात्राओं, सहयोगी टीम और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया। सम्मानित प्रतिभागियों में नैंसी नैन (टीम लीडर), आरती जांगड़ा एवं मुस्कान दुहान (पुलिस कोऑर्डिनेटर), साक्षी सिंह (आवास प्रबंधन), हेमंत शर्मा (मीडिया हेड) तथा आदित्य (व्यवस्था प्रबंधक) शामिल थे।

माननीय राज्यपाल ने अंत में सभी छात्राओं को इस राष्ट्रीय यात्रा के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियाँ जहाँ भी जाती हैं, अपने संस्कार, साहस और देशभक्ति से समाज में सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष ने सभी को दीपावली की भी हार्दिक शुभकामनाएं दी। छात्राओं का यह दल हरियाणा राजभवन से रवाना होकर जालंधर, जम्मू, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग और श्रीनगर तक पहुँचेगा। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर वे सुरक्षा बलों से संवाद स्थापित कर देशभक्ति, एकता और सद्भाव का संदेश देंगी। यात्रा का समापन श्रीनगर में भारतीय सेना के जवानों के साथ दीपावली मनाकर होगा।

मीडिया छात्र एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने राज्यपाल को अवगत कराया कि यह संगठन पत्रकारों एवं पत्रकारिता के छात्रों का संघ है, जो समाज में जागरूकता फैलाने हेतु विभिन्न अभियानों और यात्राओं का आयोजन करता रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल के एडीसी श्री शुभम सिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल, अंबेडकर चेयर के निदेशक डॉ. प्रीतम, इंडियन मीडिया सेंटर के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, अनीता सिंह, संजीव चौहान, सुरेश राणा, शैलेन्द्र जैन, सरीन दलाल एवं अरविंद त्यागी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

सहारा इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने वृद्धाश्रम में दिखाई मानवता की मिसाल

लाडवा। सहारा इंटरनेशनल स्कूल, लाडवा के विद्यार्थियों ने बंसीवाला वृद्ध आश्रम में जाकर समाज सेवा की एक अनोखी मिसाल पेश की। बच्चों ने वहाँ रह रहे वृद्धजनों के बीच कपड़े, मिठाइयाँ, राशन आदि वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भाव, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर एसडीएम लाडवा पंकज सेतिया ने विद्यार्थियों को यह शपथ दिलाई कि वे अपने माता-पिता को कभी भी वृद्ध आश्रम में अकेला नहीं छोड़ेंगे। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल एवं गीतिका अग्रवाल ने विद्यार्थियों के इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में सहानुभूति, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने कहा कि सहारा के विद्यार्थी शिक्षा के साथ साथ मानवता के क्षेत्र में भी अग्रणी हैं। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या रितु गोगिया ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने वृद्ध आश्रम जाकर जो सेवा भावना प्रदर्शित की है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। आज के व्यस्त युग में जब लोग अपने कार्यों में उलझे रहते हैं, ऐसे में बच्चों द्वारा बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सहयोग का यह कदम समाज के लिए एक उदाहरण है। इस सेवा कार्य से जहाँ एक ओर वृद्धजनों के चेहरों पर खुशी की चमक दिखाई दी, वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों ने यह मूल्यवान सीख भी प्राप्त की कि सच्ची खुशी दूसरों के साथ बाँटने में ही है।

किड्जी स्कूल के बच्चों ने निकाली पर्यावरण जागरूकता रैली

लाडवा। किड्जी स्कूल, लाडवा की प्रिंसिपल विम्मी तनेजा ने कहा कि किड्जी स्कूल के बच्चों ने पटाखों के बिना दिवाली मनाने ,पर्यावरण और स्वास्थ्य का ध्यान रखने को दशार्ने के लिए रैली निकाली ।किड्जी स्कूल के बच्चों ने इस रैली के जरिए बिना पटाखों के दिवाली मनाने का संदेश दिया ।बच्चों ने दिवाली जैसे त्योहारों पर पटाखों के बिना उत्सव मनाने की पहल का समर्थन करने के लिए एक कदम उठाया ।जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।बढ़ते वायु और ध्वनि प्रदूषण के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए, हम सभी नागरिकों से दीपावली को बिना पटाखों के मनाने का आग्रह करते है।इस पहल का उद्देश्य लोगों को पटाखों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना है और दीपावली जैसे त्योहारों को बिना प्रदूषण के मनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करना है।इस मौके पर शिवानी,वर्षा,महक,सोनिया आदि अध्यापिका शामिल हुए।

टॉडलर्स हाऊस प्री स्कूल में धूमधाम से मनाया गया दीपावली उत्सव

लाडवा। टॉडलर्स हाऊस प्री स्कूल में दीपावली का पर्व बड़े ही हर्ष एवं उमंग के साथ मनाया गया। बच्चों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजकर दीपावली उत्सव को खास बनाया। पूरे विद्यालय परिसर को रंगोली, दीपों और रंग-बिरंगी सजावट के साथ सजाया गया, जिससे माहौल आनंदमय हो गया। स्कूल की शुद्धि के लिए पूरे स्कूल में राम नाम की ध्वनि का संचार किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके पश्चात बच्चों ने दीपावली से जुड़ी नाट्य प्रस्तुति, नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनो क्रैकर्सइ अभियान के अंतर्गत बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें पटाखों से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. सुरभि तायल ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम नन्हें बच्चों में हमारी परंपराओं और मूल्यों के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव पैदा करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसे संदेशों को त्यौहारों के माध्यम से बच्चों तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि हमें अपने बुजुर्गो का मान सम्मान करना चाहिए और अपने हर सुख दुख को उनके साथ सांझा करना चाहिए, ताकि हमारे आपसी संबंध मधुर बने रहे।कार्यक्रम के समापन पर मिठाइयां बांटी गई और बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुपरवाइजर सविता बंसल, वंदना भल्ला, संस्कृति शर्मा, रीत, सोनिया, कुसुम, सुनीता, बबिता, सुमन, सारिका, कोमल, ऊषा, एकता, नेहा, रीतू आदि मौजूद थे।

ग्लोब हेरिटेज ने ओपन इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप में परचम लहराया

लाडवा। ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने ओपन इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप में परचम लहराया। स्कूल के खेलकूद विभाग के अध्यापक विजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अम्बाला में रेड ड्रैगन मार्शल अकादमी की तरफ से ओपन इंटर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप आयोजित की गयी जिसमें लगभग 400 खिलाडियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में 16 स्वर्ण, 17 रजत व 7 कांस्य पदकों के साथ कुल 40 पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। पदक जीतने वाले खिलाडियों में अमृतपाल, भगत राम, सार्थक, रमनीत, एविक कम्बोज, गुरनूर, मोहित, मनन, माणिक, युगम, आरव, नक्ष, मयंक, कुणाल, रेहान व रेशव ने स्वर्ण पदक हासिल किया वहीँ अनंत चोपड़ा, मनन, रुद्रवीर, रुद्रांश, अर्जुन, यश, योजित, इशिका, आगम भाटी, दिग्विजय, भाविक, युवराज, कुंवर, तनिश, युवराज, ख्वीश व यश्विन ने रजत पदक हासिल किया और सीरत, चेष्टा, दिग्विजय, इशू, अन्वी, परिषा व माही ने कांस्य पदक जीता। स्कूल के खिलाडी एविक कम्बोज व मोहित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। स्कूल में पहुँचने पर विजेताओं का स्वागत किया गया व उन्हें पुरस्कार दिए गए। विजेताओं का स्वागत करने के पश्चात प्रधानाचार्या रीतू सिंगला ने खिलाडियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया वो सभी बधाई के पात्र हैं व कराटे टीम के प्रशिक्षक बच्चों को इतनी मेहनत कराने के लिए सराहना के पात्र हैं। उन्होंने इस जीत को ग्लोब हेरिटेज फैमिली की जीत बताते हुए कहा कि स्कूल में शैक्षिक अध्ययन के साथ बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद, मानसिक विकास के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर बच्चों को प्रतिभागिता हमेशा कराई जाती रहेगी।

स्कूल में दीपावली महोत्सव पर आयोजित की अनेक प्रतियोगिताएं

लाडवा। सहारा इंटरनेशनल स्कूल, लाडवा में दीपावली का पर्व बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से त्यौहार की महिमा को जीवंत किया। कक्षा तृतीय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत माइम एक्ट ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश प्रभावशाली ढंग से दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए कार्ड मेकिंग, दीया डेकोरेशन, रंगोली निर्माण तथा थाली सजावट जैसी अनेक रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल एवं गीतिका अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि भाग्य हमारे कर्मों से तय होता है, इसलिए जीवन में सदैव सही कर्म करने चाहिए। उप प्रधानाचार्या रितु गोगिया ने अपने संदेश में कहा कि हमें ज्ञान रूपी प्रकाश से मन के अंधकार को दूर करना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प लेने की अपील की तथा उन्हें इस दिशा में शपथ भी दिलाई। दीपों की जगमगाहट और बच्चों की उमंग से पूरा विद्यालय दीपावली के उल्लास में सराबोर दिखाई दिया।

संपादकीय

भाजपा शासन की सटीक रणनीति का असर! बस्तर से खत्म हो रहा लाल आतंक

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में देश के इतिहास का एक अहम अध्याय दर्ज हुआ, जब 210 नक्सलियों ने एक साथ हथियार डालकर आत्मसमर्पण किया। इनमें कई बड़े और इनामी नक्सली शामिल थे, जिन्होंने वर्षों तक राज्य के घने जंगलों में हिंसा का तांडव मचाया था। यह कदम राज्य में भाजपा सरकार के मजबूत शासन, दृढ़ सुरक्षा नीति और पुनर्वास केंद्रित दृष्टिकोण का प्रत्यक्ष परिणाम माना जा रहा है। भारत में नक्सलवाद की समस्या पांच दशकों से अधिक समय से जड़ जमाए हुए है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में इस आंदोलन ने हजारों जानें लीं और विकास की रफ्तार को रोका। बस्तर, अबूझमाड़ और सुकमा जैसे इलाके लंबे समय से 'लाल गलियारा' का हिस्सा माने जाते रहे हैं। लेकिन भाजपा शासन के आने के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ नीति और रणनीति दोनों में निर्णायक बदलाव देखने को मिला। केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर 'समर्पण और समावेशन' की नीति अपनाई – यानी एक तरफ सख्त सुरक्षा अभियान, तो दूसरी तरफ संवाद और पुनर्वास के रास्ते खुले रखे गए। गृहमंत्री अमित शाह के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में 2100 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, 1785 गिरफ्तार हुए और 417 मुठभेड़ों में मारे गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अब नक्सल संगठन बिखर रहे हैं और उनकी जड़ें कमजोर हो रही हैं। जगदलपुर में हुए इस आत्मसमर्पण समारोह में दृश्य भावनात्मक और प्रतीकात्मक दोनों थे। नक्सलियों ने हाथ में भारतीय संविधान की प्रति और गुलाब थामकर हिंसा छोड़ने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे राज्य के लिए 'ऐतिहासिक दिन' बताया और कहा कि यह न केवल बस्तर, बल्कि पूरे देश के लिए उम्मीद का संदेश है कि हिंसा का कोई भविष्य नहीं होता, लोकतंत्र ही स्थायी रास्ता है। आत्मसमर्पण करने वालों में लगभग 110 महिलाएँ और 100 पुरुष नक्सली शामिल थे। इन लोगों के पास से 153 हथियार बरामद किए गए, जिनमें AK-47, INSAS, LMG, SLR और .303 राइफलें शामिल थीं। इनमें से कई नक्सलियों पर लाखों रुपये के इनाम घोषित थे। विशेष रूप से एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली 'रुपेश' का सरेंडर सबसे उल्लेखनीय रहा। सूत्रों के अनुसार, वह नक्सलियों की 'सेंट्रल कमेटी' से जुड़ा था और बस्तर क्षेत्र में कई बड़ी वारदातों का मास्टरमाइंड माना जाता था। भाजपा की सरकार ने नक्सल समस्या के समाधान के लिए तीन आयामी रणनीति अपनाई – सुरक्षा, विकास और विश्वास निर्माण। सुरक्षा मोर्चाः केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से नक्सली ठिकानों को तोड़ा गया। खुफिया तंत्र को मजबूत किया गया और सीमावर्ती जिलों में सड़क नेटवर्क बढ़ाया गया। विकास मोर्चाः सड़क, बिजली, स्कूल, अस्पताल और इंटरनेट जैसी सुविधाएँ दूरदराज के इलाकों तक पहुँचाई गईं। सरकार का मानना है कि जब नागरिक सेवाएँ गाँवों तक पहुँचेंगी, तो नक्सल विचारधारा का प्रभाव स्वतः घटेगा। विश्वास निमार्णः आत्मसमर्पण करने वालों को पुनर्वास, शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा, 'हम बंदूक छोड़ने वालों को समाज में सम्मान के साथ जगह देंगे।' इस सामूहिक आत्मसमर्पण ने छत्तीसगढ़ के राजनीतिक परिदृश्य में भी हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने भले इसे 'पुरानी योजनाओं का परिणाम' बताया हो, परंतु यह स्पष्ट है कि भाजपा शासन के दौरान नक्सल समस्या में वास्तविक गिरावट आई है। भाजपा के लिए यह उपलब्धि केवल कानून-व्यवस्था की जीत नहीं, बल्कि उसकी शासन क्षमता और नीति निर्धारण की सफलता का प्रतीक भी है। चुनावी दृष्टि से भी यह सरकार की छवि को मजबूती देता है, क्योंकि बस्तर जैसे आदिवासी क्षेत्रों में यह संदेश गया है कि सरकार केवल वादे नहीं, परिणाम भी दे रही है। हालाँकि 210 नक्सलियों का एक साथ आत्मसमर्पण अभूतपूर्व है, परंतु यह संघर्ष का अंत नहीं। राज्य के दक्षिणी हिस्से के कुछ इलाकों में नक्सली अब भी सक्रिय हैं। जंगलों में फैले इलाकों में प्रशासनिक पहुँच और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है। साथ ही, आत्मसमर्पण करने वालों के सत्यापन और पुनर्वास प्रक्रिया पर पारदर्शिता भी जरूरी है। अतीत में झारखंड जैसे राज्यों में फर्जी आत्मसमर्पण के मामले सामने आ चुके हैं, जहाँ सामान्य नागरिकों को नक्सली बताकर सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग हुआ। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि पुनर्वास का लाभ केवल वास्तविक पूर्व नक्सलियों तक पहुँचे। भाजपा शासन में जिस प्रकार नक्सल समस्या पर 'समग्र समाधान' की दृष्टि अपनाई गई है, वह अन्य राज्यों के लिए भी मॉडल बन सकता है। राज्य सरकार ने 'मुख्यधारा से जुड़ो' अभियान को गांव-गांव तक पहुँचाने की योजना बनाई है। इससे यह उम्मीद बंधी है कि आने वाले वर्षों में बस्तर और आसपास के क्षेत्र पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो सकते हैं। केंद्र सरकार ने भी संकेत दिए हैं कि आत्मसमर्पण करने वालों के लिए 'राष्ट्रीय पुनर्वास नीति 2025' लाई जा सकती है, जिसमें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक एकीकरण पर विशेष ध्यान होगा। छत्तीसगढ़ में 210 नक्सलियों का आत्मसमर्पण केवल एक समाचार नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र की शक्ति और संवाद की जीत है। यह दिखाता है कि जब शासन दृढ़ निश्चयी हो, सुरक्षा नीति सुसंगत हो और जनता को साथ लेकर चला जाए, तो कोई भी हिंसक विचारधारा टिक नहीं सकती। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शब्दों में – 'आज बंदूकें झुकी हैं, संविधान उठा है। यही नए छत्तीसगढ़ की पहचान बनेगी।' यह कदम न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत के लिए एक संदेश है – कि जब शासन सशक्त, नीति स्पष्ट और नीयत स्वच्छ हो, तो सबसे गहरी जड़ों वाला उग्रवाद भी समाप्त किया जा सकता है।

सामाजिक समरसता का सेतु संवाद, संवेदना और संस्कार

प्रो. (डॉ.) भारत

तेजी से बदलते इस युग में, जहाँ सूचना और तकनीक ने मनुष्य को पहले से कहीं अधिक जोड़ दिया है, वहीं मनुष्य के भीतर का जुड़ाव संवाद, संवेदना और संस्कार धीरे-धीरे क्षीण होता जा रहा है। यही तीन तत्व किसी भी सभ्य समाज की समरसता का आधार हैं और अगर हम इसे सभ्य समाज की आत्मा कहे तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। संवाद सभ्य समाज का प्राण है, संवेदना सभ्य समाज का हृदय है और संस्कार सभ्य समाज की आत्मा है। इन तीनों का संतुलित संगम ही एक सशक्त, मानवीय और विकसित भारत की आधारशिला रख सकता है।

संवाद को हम लोकतंत्र की जीवनरेखा भी कह सकते हैं। संवाद का अर्थ केवल बोलना नहीं है, बल्कि सुनना, समझना और स्वीकारना भी है। यह विचारों के टकराव से नहीं, बल्कि उनके समन्वय से जन्म लेता है। लोकतंत्र की सफलता भी संवाद की निरंतरता पर निर्भर करती है। आज सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति के अनेक अवसर तो दिए हैं, परंतु सार्थक संवाद की संस्कृति कहीं पीछे छूट गई है। जब समाज में संवाद कम होता है, तो अविश्वास और असहिष्णुता का विस्तार होना लाजमी है। सड़क से लेकर संसद तक - परिवार से लेकर कार्यक्षेत्र तक, हर स्तर पर संवाद का सशक्त होना ही सामंजस्यपूर्ण समाज की पहचान है।

संवेदना को मानवीयता की धारा के रूप में भी देखा जा सकता है। संवेदना वह आंतरिक शक्ति है जो हमें दूसरों के सुख-दुःख से जोड़ती है। संवेदनशील व्यक्ति न केवल अपने व्यक्तिगत हित की, परंतु समाज और प्रकृति के हित की भी चिंता करता है। आज जब उपभोक्तावाद ने जीवन को यांत्रिक बना दिया है, तब संवेदना ही हमें मानवीय बनाए रखने का एकमात्र माध्यम है। चाहे बात पर्यावरण संरक्षण की हो या सामाजिक न्याय की या फिर लैंगिक समानता की इन सबका मूल भाव संवेदना ही है। बिना संवेदना के हुआ विकास तो केवल भौतिक प्रगति ही है, क्योंकि इसमें मानवीय मूल्य अपने न्यूनतम स्तर पर रह जाते हैं।

जहां तक संस्कार का विषय है तो हम इसे संस्कृति की आत्मा भी कह सकते है। संस्कार किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र हैं। यह केवल परंपराओं का पालन नहीं, बल्कि मूल्य आधारित जीवन का मार्गदर्शन है। संस्कृति, शिक्षा और समाज मिलकर व्यक्ति में ऐसे संस्कारों का बीजारोपण करते हैं जो उसे सत्य, अनुशासन, सहिष्णुता और करुणा की ओर प्रेरित करते हैं। संस्कारित व्यक्ति ही सशक्त नागरिक बन सकता है और सशक्त नागरिक ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता हैं।

अंततः संवाद, संवेदना और संस्कार सभ्य समाज की त्रिवेणी का संगम है क्योंकि संवाद हमें जोड़ता है, संवेदना हमें जगाती है और संस्कार हमें दिशा देते हैं। यदि इन तीनों का संगम समाज में प्रवाहित रहे, तो विभाजन की रेखाएँ स्वतः मिट जाएगी हैं और समरसता का प्रवाह तीव्र हो उठेगा। आज का भारत केवल आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक रूप से भी विकसित बने इसके लिए आवश्यक है कि हर नागरिक इस त्रिवेणी को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए ताकि भारत पुनः जगत गुरु विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त कर विश्व का मार्गदर्शन करे।

संवाद, संवेदना और संस्कार केवल शब्द नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन के तीन आधार हैं। इन्हें पुनर्जीवित करना ही राष्ट्र के आत्मबोध की पुनर्स्थापना है। यही वह पथ है, जिस पर चलकर भारत न केवल विकसित भारत बनेगा, बल्कि संवेदनशील भारत भी बनेगा जहाँ प्रगति के साथ मानवता का स्पंदन भी उतना ही जीवंत रहेगा।

(लेखक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में सूचना एवं जनसंपर्क के अधिष्ठाता व कानून के प्रवक्ता हैं।)

सुख-समृद्धि का एहसास कराता है धनतेरस

रमेश सर्राफ धमोरा (हि.स)

धनतेरस का त्योहार दीपावली पर्व के प्रारम्भ को दशार्ता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने वाला माना जाता है इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदें। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते हैं। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर, एक दीया तुलसी महारानी के लिए, एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है। यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मरण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्तानें होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते हैं।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाह्न किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुख हुआ और उन्होंने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक-दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे, उसी वक्त उनमें से एक ने यम देवता से विनती की- हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यम देवता बोले- हे दूत, अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

₹ॐ धन्वंतराये नमः ₹ धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व में घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधियां ना करें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यस्थल पर काम का बोझ बढ़ेगा और अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। विद्यार्थी अपने करियर से जुड़ा कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। पिता का सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त होगा। घर के वातावरण में एकाग्रता की कमी रहेगी। छोटे बच्चों की सेहत पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृषभ: नौकरी बदलने या नया अवसर प्राप्त करने के लिए दिन अनुकूल है। पुराने कानूनी विवादों का समाधान संभव है। सभी कार्य बिना किसी रुकावट के पूरे होंगे। प्रेम संबंधों में उत्साह रहेगा और किसी यात्रा के दौरान प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन: आज आपको कठिन जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। गुस्से या आलोचना से दूर रहें, अन्यथा लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। उधार दिया गया धन वापस मिलने की संभावना है। कुछ शुभचिंतक आपकी मदद करेंगे। कार्यक्षेत्र में संयम और संतुलन बनाये रखना लाभदायक रहेगा।

कर्क: रचनात्मक सोच आपको नई दिशा देगी। किसी बड़े व्यापारिक अनुबंध या साझेदारी की संभावना है। तकनीकी या इंजीनियरिंग क्षेत्र के लोग उच्च पद प्राप्त कर सकते हैं। नौकरी में तबादले के संकेत हैं। कार्यस्थल का माहौल आपके पक्ष में रहेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह: आज मन में अनजाना भय बना रह सकता है। विदेश से शुभ समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सिरदर्द या थकान परेशान कर सकती है। दूसरों को खुश करने की कोशिश में अपनी भावनाओं को दबाने से बचें। परिवार के सदस्यों से मतभेद संभव हैं, संयम से काम लें।

कन्या: जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। विवाह योग्य जातकों के लिए शुभ समाचार मिल सकता है। विद्यार्थियों को मेहनत का उचित फल मिलेगा। नयी योजनाओं पर विचार करेंगे, जिससे घर में खुशहाली बढ़ेगी। पैतृक संपत्ति से जुड़े विवादों का समाधान आपके पक्ष में होगा।

तुला: वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। भूमि या संपत्ति में निवेश के अच्छे अवसर मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप नए प्रोजेक्ट की शुरूआत कर सकते हैं। व्यापार में स्थिरता और सामान्य लाभ प्राप्त होगा। सरकारी नौकरी वालों को पदोन्नति या अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक: अत्यधिक आत्मविश्वास से बचें, नहीं तो योजनाएं बिगड़ सकती हैं। किसी मित्र की मदद से व्यापार में विस्तार होगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा। पारिवारिक जीवन में शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

धनु: ऑफिस के सहकर्मियों के साथ मतभेद हो सकते हैं। व्यापार में जोखिम से दूर रहें। पैरों में दर्द या चोट की संभावना है। व्यवहार में शालीनता बनाए रखें। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की गति धीमी कर सकते हैं, परंतु धैर्य बनाए रखें। मन में उदासी या थकान रह सकती है।

मकर: वैवाहिक जीवन में सुधार होगा और पारिवारिक संबंधों में सौहार्द बढ़ेगा। रियल एस्टेट या प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों को वित्तीय लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार में बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति बढ़ेगी।

कुंभ: परिवार के लोग आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे। मौसम बदलने के कारण एसिडिटी या गैस की परेशानी हो सकती है। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। घर में शुभ कार्यों की तैयारियाँ होंगी। कुछ नया सीखने या आरम्भ करने की इच्छा बलवती होगी।

मीन: नये व्यापार या स्टार्टअप की योजना बनेगी। मित्रों से शुभ समाचार मिलेंगे। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं। लोग आपके व्यवहार और कार्यशैली से प्रभावित होंगे। हालांकि विदेश यात्रा में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। धैर्य से आगे बढ़ें, सफलता निकट है।

खुशियों की दीपावली: मन का अंधियारा दूर करने का समय

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहर कर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है?

आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार- ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाजार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है।

दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए- पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद- यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक 'इवेंट' बना दिया है- फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है।

आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं – और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है।

दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है- वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं- उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो।

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

हमारे शास्त्र कहते हैं- तमसो मा ज्योतिर्गमय- यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है।

त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है।

आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को 'समावेशिता का पर्व' बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता – ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके- किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे- तो वही दीपावली सबसे उज्ज्वल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे।

दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि 'दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है।' इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि 'थोड़े में भी बहुत' कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली है।

आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प लें कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा।

कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है।

दीपावली का अर्थ केवल 'दीप' नहीं, 'आवली' अर्थात श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है -एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा।

अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे। शोर और प्रदूषण से दूर, सरलता और स्नेह से भरी दीपावली ही सच्चे अर्थों में 'खुशियों और सुकून की दीपावली' होगी। यही दीपक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा- जहाँ रोशनी केवल बिजली से नहीं, बल्कि इंसानियत से फैलती है।

खनन नीति में किए संशोधनों के शानदार परिणाम आने शुरू: बरिंदर गोयल

एल.एम.एस. और सी.आर.एम.एस. नीति से कानूनी खनन, राजस्व संग्रह और कच्चे माल की आपूर्ति में हुआ इजाफा

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज कहा कि राज्य की खनन नीति में किए गए सुधारों के शानदार परिणाम सामने आने लगे हैं। इनसे कानूनी खनन गतिविधियों को मजबूती मिली है, रेत और बजरी की आपूर्ति में सुधार हुआ है और पारदर्शिता के जरिए राज्य के राजस्व में वृद्धि हुई है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लैंड ओनर माइनिंग साइट्स (एल.एम.एस.) और क्रशर माइनिंग साइट्स (सी.आर.एम.एस.) की शुरूआत ने जमीन मालिकों और क्रशर संचालकों को सशक्त बनाकर खनन क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया है। इसके साथ ही राज्य की अन्य राज्यों से कच्चे माल पर निर्भरता में कमी आई है। इस पहल ने और अधिक हितधारकों को कानूनी दायरे में शामिल कर अवैध खनन को रोकने में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि संशोधित नीति लागू होने के बाद विभाग को सी.आर.एम.एस. के लिए 240 से अधिक आवेदन और एल.एम.एस. के लिए 95 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 23 सी.आर.एम.एस. और 4 एल.एम.एस . के लिए स्वीकृति पत्र पहले ही जारी किए जा चुके हैं और शेष आवेदनों को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों में शामिल करने की प्रक्रिया प्रगति अधीन है। पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ पूरी होने के बाद इन साइटों के दिसंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच कार्यशील होने की संभावना है।

श्री गोयल ने कहा कि एल.एम.एस. और सी.आर एम.एस.के लागू होने से बाजार में कच्चे माल की उपलब्धता में वृद्धि हुई है, जिससे निर्माण और विकास परियोजनाओं के लिए निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। इस कदम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ-साथ राज्य की रॉयल्टी आय में भी इजाफा हुआ है।

खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री ने यह भी बताया कि पंजाब सरकार ने 11.58 करोड़ घन फुट कच्चे माल वाली 29 व्यावसायिक खनन साइटों के लिए नई ऑनलाइन नीलामियाँ शुरू की हैं, जो पिछले तीन वर्षों में पहली नीलामी प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया को ऑनलाइन बोली प्रणाली के माध्यम से पूरी तरह पारदर्शी बनाते हुए मनमाने अलॉटमेंटों को समाप्त किया गया है और सभी वास्तविक प्रतिभागियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मूल्य-आधारित बोली, अग्रिम रॉयल्टी भुगतान और विस्तारित लीज अवधि की शुरूआत से नीलामी प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के साथ साथ इसकी संचालन कुशलता में सुधार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब बोलीदाता पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे, जिससे परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन और जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि कानूनी रूप से कच्चे माल की आपूर्ति को और बढ़ाने और खनन इको-सिस्टम को मजबूत करने के लिए चरणबद्ध रूप से लगभग 100 अतिरिक्त स्थलों की नीलामी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन नीतिगत सुधारों का उद्देश्य पंजाब के खनन कार्यों को पारदर्शी, जवाबदेह और जन-हितैषी बनाना है।

श्री गोयल ने दोहराया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार निष्पक्ष और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट कहा कि हमारे प्रयास एक पारदर्शी प्रणाली बनाने पर केंद्रित हैं, जो कानूनी ढंग से खनन कार्यों को प्रोत्साहित करते हुए राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ राज्य के लोगों के हितों की रक्षा करें।

श्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि पहले पंजाब में बजरी का खनन मुख्य रूप से विभाग द्वारा अलॉट की गई व्यावसायिक माइनिंग साइटों से मुख्य तौर पर ड्रा तक सीमित था। क्रशर मालिक इन सीमित व्यापारिक साइटों पर अत्यधिक निर्भर थे या अन्य राज्यों से कच्चा माल मंगवाते थे, जिससे इसकी कमी और लागत दोनों बढ़ जाती थीं। कई क्रशर मालिकों के पास पर्याप्त बजरी वाली जमीन होते हुए भी वे प्रतिबंधों की शर्तों के कारण उसका उपयोग नहीं कर पाते थे, क्योंकि अपनी जमीन से बजरी निकालने की उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग लंबित थी। इससे पंजाब के बजरी भंडारों का बड़ा हिस्सा अप्रयुक्त रह गया था।

उन्होंने कहा कि अब पंजाब सरकार द्वारा क्रशर माइनिंग साइटों से संबंधित मुख्य संशोधनों को मंजूरी देने से बजरी की खुदाई संबंधी कार्यों में सुधार हुआ है। बजरी वाली जमीन के मालिक क्रशर अब खनन लीज के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिससे अन्य राज्यों पर निर्भरता घटेगी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। इस कदम से विकास परियोजनाओं के लिए रेत और बजरी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए व्यापारिक अवसरों और रोजगार में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि आपूर्ति श्रृंखला के विस्तार से संभावित रूप से बाजार की कीमतें स्थिर होंगी और राज्य का राजस्व बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि लैंड ओनर माइनिंग साइट्स की शुरूआत के जरिए पंजाब सरकार ने रेत खनन में नई संभावनाओं को उजागर किया है। अब जमीन मालिक राज्य को केवल निर्धारित रॉयल्टी का भुगतान कर अपनी जमीन पर खुदाई कर सकते हैं या किसी अन्य को ऐसा करने के लिए अधिकृत कर सकते हैं। इस सुधार से साइटों की संख्या और रेत की उपलब्धता बढ़ेगी, नए रोजगार पैदा होंगे और प्रतिस्पर्धी बाजार मूल्य सुनिश्चित होंगे। लैंड ओनर माइनिंग साइट्स की शुरूआत इस क्षेत्र में एकाधिकार को समाप्त कर निष्पक्ष भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी और अब हर योग्य जमीन मालिक के लिए खनन अधिकार सुनिश्चित होंगे।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. और बरिंदर कुमार गोयल ने देखी तमिलनाडु विधानसभा की कार्यवाही

संवाददाता
चंडीगढ़/चेन्नई

अपने तमिलनाडु दौरे के दौरान पंजाब के लोक निर्माण मंत्री श्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. और जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज चेन्नई स्थित तमिलनाडु विधानसभा की कार्यवाही देखी। दोनों कैबिनेट मंत्रियों ने सदन के कामकाज को नजदीक से देखा और इसकी विधायी प्रक्रियाओं एवं अभ्यासों संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर श्री एम. अप्पावु ने मुख्यमंत्री, विधानसभा के सदस्यों और तमिलनाडु की जनता की ओर से दौरे पर आए पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों का हार्दिक स्वागत किया। स्पीकर ने मंत्रियों की यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त की और पंजाब व तमिलनाडु के बीच बढ़ते अंतर-राज्यीय सहयोग की भावना की सराहना की।

मंत्रियों ने दोनों राज्यों के बीच आपसी समझ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए तमिलनाडु के स्पीकर का धन्यवाद किया और पंजाब सरकार एवं जनता की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पंजाब पुलिस ने 2.1 किलोग्राम हेरोइन और 3 लाख रुपये की ड्रग मनी के साथ 59 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के खात्मे के लिए शुरू की गई व्यापक मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को लगातार 230वें दिन भी जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में 326 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान कुल 57 एफआईआर दर्ज कर 59 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, पिछले 230 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या बढ़कर 33,280 हो गई है। इन छापेमारियों के दौरान पकड़े गए नशा तस्करों के कब्जे से 2.1 किलोग्राम हेरोइन, 1598 नशीली गोलियां/कैप्सूल, और 3.17 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, डिप्टी

कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशे के खिलाफ इस जंग की निगरानी के लिए राज्य सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। इस अभियान के दौरान 66 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों की 120 से अधिक टीमें राज्यभर में 326 स्थानों पर छापेमारी में शामिल रहीं। दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 349 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। राज्य सरकार ने नशों के उन्मूलन के लिए तीन-आयामी रणनीति झ प्रवर्तन, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन लागू की है। ह्यडी-एडिक्शनह्ल अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 28 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार किया है।

- युद्ध नशों विरुद्ध का 230वां दिन
- डी-एडिक्शन अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने 28 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने के इलाज के लिए किया तैयार

तरन तारन उप चुनाव: नामांकन के पाँचवें दिन छह नामांकन पत्र दाखिल

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा की 21-तरन तारन सीट के उप चुनाव के लिए नामांकन के पाँचवें दिन 6 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं।

पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि तरन तारन सीट के लिए आज भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हरजीत सिंह संधू ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू ने दो नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। राजेश वालिया की ओर से उनके कवरिंग उम्मीदवार द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। वहीं सच्चो सच पार्टी के उम्मीदवार श्याम लाल गांधी ने भी

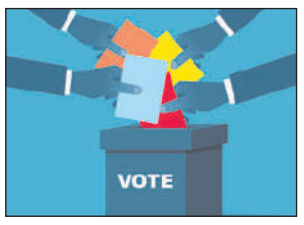

नामांकन पत्र दाखिल किया है।

उल्लेखनीय है कि इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार करणबीर सिंह ने आज एक और नामांकन पत्र दाखिल किया है। इससे पहले उन्होंने 15 अक्टूबर को भी नामांकन पत्र दाखिल किए थे।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर 2025 है।

फर्स्ट फ्राइडे फोरम का सोलहवाँ वार्षिक व्याख्यान-सह-पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

फर्स्ट फ्राइडे फोरम (एफ.एफ.एफ) का सोलहवाँ वार्षिक व्याख्यान-सह-पुरस्कार वितरण समारोह चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर (सी.सी.ए) के पेक परिसर, सेक्टर 12, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया। बौद्धिक उत्साह और भावनात्मक प्रतिध्वनि से परिपूर्ण इस कार्यक्रम में अंतःविषय रचनात्मकता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और डॉ. भट्टी के जीवन और विरासत को परिभाषित करने वाले स्थायी शिक्षक-छात्र बंधन का जश्न मनाया गया। फर्स्ट फ्राइडे फोरम एक संस्था है जिसकी स्थापना 1999 में चंडीगढ़ सी.सी.ए. के संस्थापक-शिक्षक और पूर्व प्राचार्य डॉ.एस.एस. भट्टी ने की थी।

दिन का मुख्य आकर्षण डॉ. एस.एस. भट्टी का वार्षिक व्याख्यान था,

जिसका दूरदर्शी विषय था ₹वन-शहरीकरणः घोषणापत्र से जनादेश तक - शाश्वत जीवन की सांस के लिए भारत का पुनः हरितीकरण।₹ उनके संबोधन ने शहरी नियोजन में पारिस्थितिक चेतना को एकीकृत करने की तात्कालिकता पर बल दिया और इस बात पर बल दिया कि सभ्यता के मैट्रिक्स, वास्तुकला को प्रकृति के साथ अपने अनुबंध को फिर से खोजना होगा। वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि को आध्यात्मिक गहराई के साथ जोड़ते हुए इस व्याख्यान ने पेशेवरों, छात्रों और मीडिया के क्षमतावान श्रोताओं से लंबे समय तक तालियां बटोरीं।

सम्मान-सम्मेलन समारोह का संचालन रीता भट्टी और डॉ. एस.एस. भट्टी ने किया। फर्स्ट फ्राइडे फोरम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स वास्तुकला शिक्षा और शहरी नियोजन में विशिष्ट योगदान के लिए प्रो. वीना गरेला को; स्थिरता में अग्रणी कार्य और उनकी ऑनलाइन पत्रिका इन एडब्ल्यूई के लिए आर्किटेक्ट दीपिका टुटेजा को; कलाकार सास्वती चौधरी को कला और संग्रहालय विज्ञान में उनकी बहुमुखी उत्कृष्टता के लिए और कलाकार-डिजाइनर धरम वीर को ग्राफिक डिजाइन और दृश्य संचार में चार दशकों की उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, रचनात्मक उत्कृष्टता के लिए पहला शुक्रवार फोरम पुरस्कार एआर इंदर गुलाटी को पंजाब विश्वविद्यालय में उनके सौंदर्य और टिकाऊ वास्तुशिल्प कार्य के लिए प्रदान किया गया।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ और बरिंदर कुमार गोयल द्वारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से मुलाकात

कैबिनेट मंत्रियों ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी शताब्दी समारोहों के लिए दिया औपचारिक निमंत्रण

संवाददाता
चंडीगढ़/चेन्नई

पंजाब के लोक निर्माण मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ और जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन से मुलाकात की और श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी संबंधी राज्य स्तरीय आयोजनों में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

कैबिनेट मंत्रियों ने श्री एम.के. स्टालिन को इस अवसर को अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा तैयार की गई विस्तृत योजनाओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूरे महीने चलने वाले इन आयोजनों के दौरान गुरु साहिब द्वारा धार्मिक स्वतंत्रता और मानवता के सम्मान के लिए दी गई अद्वितीय शहादत को याद किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शहीदी समारोह 25 अक्तूबर को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा श्री शीश गंज साहिब में अरदास से आरंभ होंगे, जिसके बाद पूरे पंजाब में धार्मिक और धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं को दर्शाते लाइट एंड साउंड शो सभी 23 ज़िलों में आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि गुरु साहिब के पावन चरणों से जुड़े 130 पवित्र स्थलों पर कीर्तन दरबार और धार्मिक समारोह होंगे।

मंत्रियों ने बताया कि श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) और पंजाब के गुरदासपुर, फरीदकोट तथा तख्त श्री दमदमा साहिब से चार नगर कीर्तन निकाले जाएंगे, जो 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि 23 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले मुख्य समारोहों में श्री अखंड पाठ साहिब, सर्व-धर्म सम्मेलन, पंजाब विधानसभा का

विशेष सत्र और विशाल कीर्तन दरबार शामिल होंगे। श्री आनंदपुर साहिब में प्रतिदिन आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए चक नानकी नामक विशाल टेंट सिटी भी तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की महान विरासत को श्रद्धापूर्वक याद करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई इस धार्मिक पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन आयोजनों से विश्वभर में एकता, करुणा और सर्वधर्म सद्भाव का शाश्वत संदेश जाएगा। उन्होंने इन कार्यक्रमों की सफलता के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि ये आयोजन पूरे देश में गुरु साहिब जी के अमन, समानता और सत्य के उपदेशों के प्रसार का एक महत्वपूर्ण प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में श्री आनंदपुर साहिब में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचकर गुरु साहिब की महान बाणी और जीवन से प्रेरणा लेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

डिवाइन वाहनास ऑफ लाइट थीम के तहत पौराणिक संस्कृति को समर्पित अनोखी प्रस्तुति

चंडीगढ़। इस दिवाली, नेक्सस एलांटे मॉल अपने सभी आने वाले लोगों को एक ऐसी जगह आने का न्योता देता है जहाँ पौराणिक कहानियाँ, भक्ति और त्योहार की खुशियाँ एक साथ मिलती हैं। डिवाइन वाहनास ऑफ लाइट (दिव्य वाहनों की रौशनी) थीम के तहत मॉल को खूबसूरत झांकियों से सजाया गया है, जो भारत की आध्यात्मिक परंपरा को दर्शाती हैं और परिवारों व खरीदारों को एक खास त्योहार जैसा अनुभव देती हैं। इस विशेष सजावट में देवताओं के दिव्य वाहनों को बेहद आकर्षक और भावनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। हर वाहन न केवल किसी देवी-देवता से जुड़ा है, बल्कि वह किसी विशेष आध्यात्मिक गुण और सांस्कृतिक मूल्य का भी प्रतीक है। उदाहरणस्वरूप, पुष्पक विमान, जो भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण का दिव्य रथ है, घर वापसी और अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक माना जाता है। तोता, जो देवी मीनाक्षी का पवित्र साथी है, प्रेम, ज्ञान और करुणा को दर्शाता है। उल्लू, देवी लक्ष्मी का स्वर्ण-पंखों वाला वाहन, समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक है। नंदी, भगवान शिव का शांत और स्थिर बैल, आस्था, धैर्य और शक्ति का प्रतीक है। वहीं, मूषक (चूहा), जो भगवान गणेश का बुद्धिमान और विनम्र वाहन है, यह सिखाता है कि बुद्धि और साहस से हर चुनौती का सामना किया जा सकता है।

विश ने देसी गर्ल को एक नए अंदाज में पेश किया

चंडीगढ़। अपने वायरल हिट, बोलो बोलोह्ल की सफलता के बाद भारत के पहले आई-पॉप गर्ल ग्रुप विश ने बॉलिवुड के पसंदीदा गीत देसी गर्लह्ल को एक नए शक्तिशाली अंदाज में पेश किया है। उनका लेटेस्ट सिंगल एक बार फिर से सवाल पूछ रहा है, हू इज द हॉटेस्ट गर्ल इन द वर्ल्डह्ल (दुनिया में सबसे सुंदर लड़की कौन है)। इस सवाल का जवाब विश अपने अंदाज में जबरदस्त ऊर्जा के साथ दे रही हैं। इस गीत को एक ग्लैमरस, साहसी और बेबाक एवं शक्तिशाली अंदाज में पेश करके विश ने हर पीढ़ी के बीच डांस फ्लोर पर अपना दबदबा बना लिया है। देसी गर्ल में पुरानी यादों को भविष्य के आई-पॉप अंदाज में पेश किया गया है। इसका निर्माण मेंटर एवं प्रतिष्ठित कंपोजर मिकी मैककिलियरी ने उभरती हुई प्रतिभा, पार्थ पारेख के साथ किया है। यह ट्रैक ट्रिनिडाड और टोबैगो के चटनी म्यूजिक एवं बेल फंक से प्रेरित है, जो इसके देसी अंदाज को बरकरार रखते हुए इसे नई व ग्लोबल साउंड प्रदान करता है। विश ने कहा, हम देसी गर्ल पर डांस करते आए हैं। यह उन गानों में से एक था, जो सबका मूड बेहतर बना देता था। विशाल-शेखर, सुनिधि चौहान, शंकर महादेवन और कुमार ऐसे कलाकार हैं, जिनकी हम बहुत सराहना करते हैं और जिन्होंने हमें हमेशा प्रेरित किया है। इस क्लासिक को फिर से बनाना और इसे दुनिया के साथ साझा करना ऐसा था, जैसे पुरानी यादें फिर से ताजा हो गई हों, जिन्होंने हमें नई शक्ति प्रदान की हो। यह गाना हर उस व्यक्ति के लिए है, जिसे अपने मूल पर गर्व है, और जो उसका प्रदर्शन करने में डरता नहीं है।

डायसन इंडिया ने इस सीजन घर को सुरक्षित रखने के लिए पॉल्यूशन प्रेप चेकलिस्ट जारी की

चंडीगढ़। अक्टूबर और नवंबर के महीनों में हर साल उत्तर भारत के कई शहर प्रदूषण की चपेट में आ जाते हैं। वातावरण में स्मॉग की मोटी परत जम जाती है और एयर क्वालिटी खतरनाक स्तर तक बढ़ जाती है। इससे निपटने के लिए पहला उपाय मास्क लगाना और आउटडोर सतर्कता बरतना है, लेकिन यह यहीं समाप्त नहीं होता। घर के अंदर प्रदूषण का खतरा और भी अधिक होता है। इस सीजन घर के अंदर की हवा को शुद्ध रखने और प्रदूषण से बचाव के लिए डायसन के इंजीनियर, स्टुअर्ट थॉम्पसन कुछ व्यवहारिक उपाय साझा कर रहे हैं। सबसे पहले, घर के अंदर प्रदूषक तत्वों को न घुसने देने के लिए दरवाजे पर माइक्रोफाइबर डोर मैट रखना फायदेमंद है। इससे घर के अंदर की हवा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। मेहमानों और परिवार के सदस्यों को जूते-चप्पल घर के बाहर उतारने के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा, एक अच्छा एयर प्योरिफायर खरीदना महत्वपूर्ण है, क्योंकि डायसन एयरप्योरिफायर केवल हवा को साफ नहीं करते, बल्कि 99.95 प्रतिशत एलर्जन भी हटाते हैं। एयर प्योरिफायर के फिल्टर को नियमित रूप से बदलना भी आवश्यक है ताकि प्रदूषक तत्व न फँसें। कारपेट में प्रदूषक तत्व जमा हो जाते हैं, इसलिए इन्हें उच्च दक्षता कण वायु या उच्च दक्षता कण निरोध फिल्टर वाले वैक्यूम क्लीनर से डीप क्लीन करना चाहिए।

मेलो डी और खानजादी ने नया गाना तक धिन किया रिलीज

चंडीगढ़ । भारतीय रैपर मेलो डी ने अपने नए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, तक धिनह्ल के साथ एक नई बोल्ड साउंड पेश की है, जिसमें खानजादी के जबरदस्त वोकल्स और यादगार परफॉरमेंस शामिल हैं। इस गाने का निर्माण स्वीडिश जोड़ी पेटर और विलियम ने किया है। तक धिनह्ल एक शुद्ध ऊर्जा से भरपूर गाना है, जो अपनी पहली बीट से ही श्रोताओं का ध्यान आकर्षित करता है। मेलो डी के सिग्नेचर फ्लो के साथ, यह गाना तेज रफ्तार, इलेक्ट्रॉनिक बीट्स और रैप का बेहतरीन तालमेल प्रस्तुत करता है, जो इसे डांस फ्लोर पर छा जाने वाला बना देता है। गाने का वीडियो ऊर्जा से भरपूर है, जिसमें मेलो डी और खानजादी शानदार ब्लैक और रेड आउटफिट में नजर आते हैं। दोनों की कैमिस्ट्री इतनी तीव्र है कि नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है। बेहतरीन कोरियोग्राफी और आकर्षक मूव्स के साथ, तक धिनह्ल हर डांस फ्लोर और प्लेलिस्ट में हलचल मचाने का वादा करता है। खानजादी ने अपनी वॉइस और लुक के जरिए दर्शकों का ध्यान खींचा है, जिससे यह ट्रैक और भी अधिक आकर्षक बन गया है। मेलो डी ने इस गाने के बारे में कहा कि, तक धिन की ऊर्जा सीधे आपके दिमाग पर असर करती है। यह तेज, स्टाईलिश और मजबूत है, जो लोगों के दिलोदिमाग पर छा जाएगी।ह्लह्ल वहीं, खानजादी ने कहा, मेरे लिए तक धिन शुद्ध फायरपॉवर है। इसकी साउंड और विजुअल्स दोनों ही जबरदस्त हैं।ह्लह्ल गाने के बोल मेलो डी ने लिखे हैं, और यह ट्रैक न केवल लाउड म्यूजिक है, बल्कि एक लाउड जिंदगी का प्रतीक है। इसलिए, इसे सुनें और इसकी हर एक बीट का आनंद लें।

हिताची के दो एयर कंडीशनिंग डिजाइन कॉन्सेप्ट्स ने रेड डॉट डिजाइन कॉन्सेप्ट अवार्ड्स 2025 जीते

चंडीगढ़। हिताची के दो एयर कंडीशनिंग डिजाइन कॉन्सेप्ट्स ने रेड डॉट डिजाइन कॉन्सेप्ट अवार्ड्स 2025 जीते, जिनमें एयरक्लोसेट के लिए बेस्ट ऑफ द बेस्ट अवार्ड और एयरहाइव के लिए डिजाइन कॉन्सेप्ट अवार्ड शामिल हैं। एचवीएसी को चक्रों के बीच निष्क्रिय छोड़ने के बजाय, ये पुरस्कार विजेता कॉन्सेप्ट्स एयर कंडीशनिंग को फर्नीचर और वास्तुशिल्प विशेषताओं में बुनते हैं, जिससे स्थान पूरे वर्ष कार्यात्मक और आरामदायक बने रहते हैं। रेड डॉट डिजाइन कॉन्सेप्ट, बेस्ट ऑफ द बेस्टः एयरक्लोसेट पूरे कमरे में निर्बाध आराम के लिए एयर कंडीशनिंग को वर्टिकल स्टोरेज फर्नीचर में एकीकृत करता है। इसके डिजाइनर हैं लियू यांग, रवि आनंद और लुइस रेयेस। कोठरियाँ बड़ी और ऊँची होती हैं, और आमतौर पर दीवार से सटी होती हैं। ये गुण उन्हें एयर-कंडीशनिंग मॉड्यूल रखने के लिए आदर्श बनाते हैं। स्टोरेज स्पेस के किनारे वर्टिकल वेंट लगाकर, एयर-कंडीशनिंग मॉड्यूल फर्नीचर में सहजता से घुल-मिल जाता है। बेहतर आराम के लिए, कूलिंग मोड में, वेंट के ऊपरी हिस्से से हवा निकलती है, जिससे ठंडी हवा पूरे कमरे में समान रूप से फैलती है। हीटिंग मोड में, गर्म हवा निचले हिस्से से बहती है, जिससे जमीन से ऊपर तक जगह धीरे-धीरे गर्म होती है। रेड डॉट डिजाइन कॉन्सेप्टः एयरहाइव डिजाइन स्मार्ट, स्केलेबल वायु गुणवत्ता के लिए मॉड्यूलर सीलिंग टाइल्स के रूप में एचवीएसी की पुनर्कल्पना करता है। इसके डिजाइनर हैं लुइस रेयेस, यिमान युआन, रवि आनंद और लियू यांग। कार्यालयों और व्यावसायिक भवनों के लिए, आराम, सुरक्षा और उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक वायु गुणवत्ता नियंत्रण एक आवश्यक कारक है।

वीवो ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया ओरिजिन ओएस

चंडीगढ़। वीवो ने अपने अब तक के सबसे उन्नत ऑपरेटिंग सिस्टम ओरिजिनओएस का ग्लोबल लॉन्च किया, जो एआई युग में मानव और मशीन के बीच संवाद की नई परिभाषा लिखेगा। वीवो के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर शी युजियान ने कहा कि पिछले कई वर्षों से वीवो ने मोर लोकल, मोर ग्लोबल के सिद्धांत पर चलते हुए दुनिया भर में अपनी मौजूदगी को मजबूत किया है और यूजरओं की जरूरतों के अनुरूप अनुभव दिए हैं। जैसे ही हम वीवो की 30वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, हम ओरिजिन डिजाइन फिलॉसफी के तहत तीन स्तंभों - स्मूदनेस, डिजाइन और एआई कृ पर आधारित ओरिजिन ओएस 6 के वैश्विक लॉन्च के साथ अगला कदम बढ़ा रहे हैं, जो डिजिटल दुनिया से जुड़ने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करेगा। ओरिजिन एनीमेशन सिस्टम में स्प्रिंग एनीमेशन, ब्लर ट्रांजिशन, मॉर्फिंग एनीमेशन और वन शॉट एनीमेशन जैसी गतिशील मूवमेंट्स से विजुअल अनुभव और भी प्राकृतिक बन जाता है। वीवो का स्नैप-अप इंजन उच्च मांग वाले कार्यों जैसे टिकट बुकिंग में कंप्यूटिंग पावर को प्राथमिकता देता है, जिससे यूजर हमेशा एक कदम आगे रहते हैं। यहां तक कि लगातार 50 ऐप्स खोलते समय लॉन्च स्पीड 16 प्रतिशत तक तेज होती है और टच रिस्पॉन्स 41 प्रतिशत बेहतर हो जाता है।

असम के तिनसुकिया में सैन्य शिविर पर गोलीबारी और ग्रेनेड से हमला

तिनसुकिया सैन्य शिविर पर हमले में इस्तेमाल ट्रक असम-अरुणाचल सीमा के पास जब्त

- हमलावरों की तलाश में अभियान जारी

एजेंसी (हि.स.)

तिनसुकिया (असम)

फोटोः हि.स.

असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथार क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए एक भीषण हमले ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। अज्ञात हमलावरों ने सैन्य शिविर पर ग्रेनेड फेंकने के साथ अंधाधुंध गोलीबारी की। सूत्रों के अनुसार, हमला रात करीब 12:30 बजे हुआ, जब सेना के शिविर पर तीन अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूजीजीएल) दागे गए। इसके तुरंत बाद करीब आधे घंटे तक लगातार फायरिंग की आवाजें गूंजती रहीं। तेज धमाकों और गोलियों की आवाज से आसपास के ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावर एक ट्रक में आए थे और हमला कर फरार हो गए। असम के तिनसुकिया के काकोपाथर में भारतीय सेना के एक शिविर पर हुए घातक हमले के बाद पुलिस ने हमलावरों द्वारा इस्तेमाल किया गया ट्रक असम-अरुणाचल सीमा के पास से जब्त किया है। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास नोआ-दिहिंग नदी के किनारे टेंगापानी घाट से वाहन (एएस-25ईसी-2359) बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमलावर कथित तौर पर सेना शिविर पर हमला करने से पहले दुमदुमा की ओर से ट्रक में सवार होकर आए थे।

उग्रवादियों ने शिविर पर तीन अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल) दागे और लगभग 30 मिनट तक भारी गोलीबारी जारी रखी, जिससे बीती देर रात इलाके में दहशत फैल गई। ऐसा माना जा रहा है कि हमले के बाद, हमलावर नदी किनारे उसी रास्ते से अरुणाचल प्रदेश की ओर भाग गए। सुरक्षा बलों ने हमलावरों की तलाश में सीमावर्ती इलाकों में व्यापक संयुक्त अभियान शुरू किया है।

हमले में कम से कम तीन भारतीय सैन्यकर्मी घायल हुए हैं, हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह हमला प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम-स्वाधीन (उल्फा-स्व) के उग्रवादियों द्वारा किया गया था।

पुलिस और सेना की टुकड़ियां ऊपरी असम में हाई अलर्ट पर हैं और इस सुनियोजित हमले के पीछे के समूह का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

बीते गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिलांतर्गत भारत-म्यांमार इलाके में भी संदिग्ध उग्रवादी संगठन एनएससीएन-केवाई (ए) और उल्फा (स्व) के उग्रवादियों ने असम रायफल्स के शिविर पर हमला किया, जिसमें आधिकारिक रूप से दो जवान घायल हुए थे। वहीं, अपुष्ट खबरों के अनुसार चार जवान घायल हुए। पूरे इलाके में सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी अभियान आरंभ किया है।

'एशिया की विकास दर बढ़ने का अनुमान'

- अमेरिका-चीन तनाव बना 'सबसे बड़ा खतरा': आईएमएफ

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एशिया की आर्थिक वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित कर बढ़ा दिया है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। एशिया की अर्थव्यवस्था वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी तरह का व्यापारिक या भू-राजनीतिक टकराव क्षेत्र के लिए गंभीर जोखिम बन सकता है। 2025 में 4.5% की वृद्धि, लेकिन जोखिम बरकरार

आईएमएफ के एशिया-प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने बताया कि अप्रैल की तुलना में एशिया की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी टैरिफ और चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव से क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। श्रीनिवासन ने कहा, जब वैश्विक जोखिम बढ़ते हैं, तो एशिया पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यह क्षेत्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से सबसे अधिक जुड़ा हुआ है, इसलिए जब अमेरिका और चीन जैसे बड़े देशों के बीच तनाव बढ़ता है, तो इसका प्रभाव एशिया पर कई गुना अधिक पड़ता है। आईएमएफ ने 2025 के लिए एशिया की विकास दर 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2024 के 4.6 प्रतिशत से थोड़ा कम है, लेकिन अप्रैल में किए गए पूर्वानुमान से 0.6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, 2026 में वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण तकनीकी क्षेत्र में तेजी आई है, जिससे दक्षिण कोरिया और जापान के निर्यात को बल मिला है। इसके अलावा, बढ़ते शेयर बाजार, सस्ते दीर्घकालिक ऋण और कमजोर अमेरिकी डॉलर ने भी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को सहारा दिया है।

अमेरिका-चीन विवाद का संभावित असर

बीजिंग द्वारा रेयर अर्थ निर्यात नियंत्रण कड़े करने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 01 नवंबर से चीनी सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। आईएमएफ का कहना है कि इन नए संभावित टैरिफों का असर अभी उसके नवीनतम अनुमान में शामिल नहीं किया गया है। अगर ये लागू होते हैं, तो एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक दबाव पड़ सकता है।

घरेलू मांग और क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

आईएमएफ ने सुझाव दिया है कि एशियाई देश बाहरी झटकों से बचने के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को निर्यात पर निर्भरता से हटाकर घरेलू मांग को बढ़ावा दें। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर एशिया के देश आपसी आर्थिक एकीकरण को बढ़ाते हैं, तो क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मध्यम अवधि में 1.4 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी संभव है। श्रीनिवासन ने कहा, व्यापार और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सुधारों पर जोर देने से एशिया आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहेगा।

नेपाल भाग रहा 25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

एजेंसी (हि.स.)

शाहजहांपुर

फोटोः हि.स.

उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र में बीती देर रात 25 हजार के एक इनामी बदमाश और पुलिस के बीच उस वक्त मुठभेड़ हो गई जब बदमाश मोटरसाइकिल से नेपाल भागने की फिराक में था। पुलिस की जबाबी कार्यवाही में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार चल रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) भांवरे दीक्षा अरुण ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार की देर रात थाना पुवायां क्षेत्र में डीपीएस स्कूल के समीप बने बाईपास पुल के पास के हत्या के मामले में वांछित 25 हजार के एक इनामी बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस टीम ने मोर्चा संभाला और पुलिस की ओर से की गई जबावी कार्यवाही में कांट थाना क्षेत्र के गांव कमलनैनपुर निवासी दानिश (27) पैर में गोली लगने से घायल हो गया। एएसपी ने बताया कि दानिश और उसके साथियो गुरुसेवक तथा अजय उर्फ अमरजीत सिंह ने कुछ दिनों पहले सितारगंज जाने के लिए पुवायां थाना क्षेत्र से एक वाहन बुक किया था। लेकिन आरोपियों ने रोजा थाना क्षेत्र में ले जाकर वाहन चालक अवनीश दीक्षित (42) की गला दबा कर हत्या कर दी और शव को वहीं छोड़ कर वाहन लूट ले गए। वहीं दूसरी तरफ कुछ दिनों पहले जनपद लखनऊ के थाना पारा क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने जनपद हरदोई निवासी बदमाश अजय उर्फ अमरजीत सिंह को गिरफ्तार किया था।

शातिर असलहा तस्कर सुन्दरम उपाध्याय मुठभेड़ में घायल, अवैध हथियार और नकदी बरामद

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर के पुलिस और बदमाशों के बीच गुरुवार रात हुई मुठभेड़ में अन्तर्जनपदीय वांछित चोर और असलहा तस्कर सुन्दरम उपाध्याय घायल हो गया। पड़री थाना क्षेत्र के उमरिया अयोध्या प्रसाद मोड़ के पास हुई इस मुठभेड़ में पुलिस ने अभियुक्त को पकड़ लिया। उसके कब्जे से एक पिस्टल, एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, एक बुलेट मोटरसाइकिल और 700 रुपये नगद बरामद किए गए। जानकारी के अनुसार, एसपी नगर और सीओ सदर के नेतृत्व में पड़री पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम द्वारा संयुक्त रूप से संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित अपराधी सुन्दरम उपाध्याय अवैध असलहों के साथ झिंगुरा रोड की ओर से आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे उसके पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

जेलेंस्की के वॉशिंगटन पहुंचने से ठीक पहले फोन पर ट्रंप-पुतिन की लंबी बातचीत

- बुडापेस्ट में दूसरी शिखर वार्ता भी तय हो गई

एजेंसी (हि.स.)

वॉशिंगटन

फोटोः हि.स.

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच गए हैं। यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की संभावित आपूर्ति के बारे में आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी अहम बातचीत होगी।खास बात यह है कि जेलेंस्की के अमेरिका पहुंचने से कुछ पहले ही ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर ढाई घंटे की लंबी बातचीत के बाद अगले दो सप्ताह में बुडापेस्ट में दोनों नेताओं के बीच दूसरी शिखर वार्ता की घोषणा हुई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप से अहम बातचीत के लिए अमेरिका पहुंचे हैं।यूक्रेन के समाचार पत्र कीव पोस्ट के मुताबिक यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति को लेकर बातचीत के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। इस संबंध में आज ट्रंप से उनकी बातचीत होगी।यूक्रेन कुछ समय से अमेरिका से टॉमहॉक लंबी दूरी की मिसाइलें मांग रहा है, जिससे के प्रमुख शहर यूक्रेन के मिसाइल फायर रेंज में आ जाएंगे। ट्रंप ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि यदि रूस युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत की मेज पर नहीं आता है तो यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें सप्लाई कर सकते हैं।

अमेरिका ने अभीतक यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की सप्लाई को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति को लेकर कोई अंतिम फैसला लेने से पहले अमेरिका की सतर्कता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जेलेंस्की के साथ वार्ता से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ फोन पर लंबी बातचीत की।इस बातचीत के बाद दोनों नेताओं के बीच बुडापेस्ट में मुलाकात वार्ता की बात भी तय हुई। ट्रंप-पुतिन वार्ता को लेकर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा कि हम देख सकते हैं कि टॉमहॉक के बारे में सुनते ही मास्को बातचीत फिर से शुरू करने के लिए तत्पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य पूर्व में आतंकवाद और युद्ध पर अंकुश लगाने की सफलता, यूक्रेन के विरुद्ध रूस के युद्ध को समाप्त करने में सहायक होगी।

संक्षिप्त-समाचार

अलग-अलग दुर्घटना में एक बच्चे सहित दो की मौत, सड़क जाम

पलामू। पलामू जिले के पांकी और हुसैनाबाद में पिछले 24 घंटे के दौरान दो अलग-अलग दुर्घटना हुई है, जिसमें एक मासूम बच्चे सहित दो की मौत है। पांकी में हुई दुर्घटना के बाद शुक्रवार सुबह सड़क जाम कर दिया गया। सूचना मिलने के बाद पांकी के भाजपा विधायक शशि भूषण मेहता, पांकी के अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों को समझाकर जाम हटाया। सड़क जाम करीब दो घंटे तक रहा। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दुल्हर गांव में शुक्रवार की सुबह एक सड़क हादसे में चार वर्षीय मासूम की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, दुल्हर गांव निवासी रवीन्द्र राम का पुत्र मयानंद राम सुबह करीब 8 बजे आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने जा रहा था। इसी दौरान एक स्कूली बस की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पांकी के कोनवाई बस स्टैंड में ट्रैक्टर और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में अभिजीत कुमार (20) गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें तत्काल डालटनगंज से रांची ले जाया जा रहा था, लेकिन इलाज के क्रम में गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। इसके बाद शुक्रवार सुबह आक्रोशित ग्रामीणों ने पांकी- मेदिनीनगर मुख्य सड़क को जाम कर दिया था। अभिजीत स्वर्गीय संतू सिंह का इकलौता पुत्र था। अभिजीत चतरा के हंटरगंज बहेरी का रहने वाला था।

देहरादून से बनारस जा रही एंबुलेंस टायर फटने से अटरिया में दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

सीतापुर। उत्तराखंड के देहरादून से मरीज को लेकर प्राइवेट एम्बुलेंस से बनारस ले जा रहे सवार शुक्रवार की सुबह दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर काल के गाल में समा गए। यह दर्दनाक हादसा लखनऊ से लगभग 20 किलोमीटर पहले सीतापुर जनपद अंतर्गत थाना अटरिया में हुआ। हादसे का कारण एम्बुलेंस का टायर फटना बताया जा रहा है। हादसा इतना बीभत्स था कि सड़क किनारे में पड़े शवों को देखकर बीच मार्ग पर चल रहे लोग सहम गए। जानकारी मिलने पर राहगीरों की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू चलाया। इस हादसे में अब तक एक राहगीर महिला सहित चार लोगों की मौत हुई है एक बच्ची की हालत नाजुक है।

प्रेम जाल में फंसाकर युवती पर दो करोड़ रुपए हड़पने का आरोप

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर के थाना सेक्टर 126 में एक व्यक्ति ने एक युवती को नामित करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने अपने प्रेम जाल में फंसाकर उससे शादी का वादा किया। अब उससे शादी नहीं कर रही है। धोखाधड़ी करके वह अब तक दो करोड़ रुपए ले चुकी है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि बीती रात को मोहन चौहान पुत्र रघुवंश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह रायपुर खादर गांव के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार उनकी क्षमता राय नामक युवती से करीब 12 वर्ष से प्रेम संबंध है। पीड़ित के अनुसार क्षमता राय ने उससे शादी का वादा किया था। पीड़ित के अनुसार उसने युवती के वादे से प्रभावित होकर उसे अपनी कंपनी में से 50 प्रतिशत का हिस्सेदार बनाया तथा सेक्टर 79 स्थित एक सोसायटी में उसे एक फ्लैट खरीद कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि क्षमता को एक कार भी खरीद कर दिया है। पीड़ित के अनुसार क्षमता शादी करने की बात पर टालमटोल करती रहती है। अब वह विदेश जाना चाहती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर बीती रात को थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में चार उग्रवादियों की मौत

पेशावर। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली इलाके में एक हमले को सफलतापूर्वक नाकाम करते हुए चार उग्रवादियों को मार गिराया है। सूत्रों ने बताया कि एक आत्मघाती उग्रवादी ने अत्याधुनिक विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) से लदे वाहन को सुरक्षा शिविर की दीवार से टकरा दिया। उसी दौरान, हथियारों से लैस तीन अन्य उग्रवादियों ने शिविर में घुसने की कोशिश की। हालांकि सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन सभी को मार गिराया गया। हमलों में सुरक्षा बलों की ओर से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सूत्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों में सुरक्षा बलों के अलग अलग अभियानों में 88 उग्रवादी मारे गए हैं।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई शुरू

काठमांडू। नेपाल के तीन पूर्व प्रधानमंत्री तथा दो पूर्व मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है। इस जांच के घेरे में पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली, पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल हैं। इसी तरह पूर्व विदेश मंत्री आरजू देउबा और पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का के खिलाफ भी देशभर से साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया गया है। सितंबर 8 और 9 को नेपाल में हुए जेन जी आंदोलन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री तथा पूर्व मंत्रियों के घर से करोड़ों रुपए नकद मिलने और करोड़ों रुपए के जलाए जाने की घटना के बाद इसकी जांच शुरू कर दी गई है। नेपाल के संपत्ति शुद्धिकरण विभाग ने देशभर के सभी बैंकों, नेपाल स्टॉक एक्सचेंज, उद्योग विभाग, कंपनी रजिस्ट्रार में पत्र लिख कर इन तीन पूर्व प्रधानमंत्री तथा मंत्रियों के व्यक्तिगत, परिवार, और उनके रिश्तेदार के नाम पर रहे किसी भी प्रकार की संपत्ति, बैंक अकाउंट में रहे नकद, फिक्स्ड डिपोजिट, शेयर, कंपनी उनके नाम पर है तो उसका संपूर्ण विवरण एक महीने के भीतर विभाग में जमा करने के लिए कहा है। गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्याल ने कहा कि विभाग के निर्देशन पत्र को देश के सभी 76 जिलों में भेज कर उनके तीन पुश्तों का संपत्ति ब्यौरा देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि अन्य मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी जांच के दायरे में लाया जाएगा लेकिन पिछले एक दशक से इन्हीं तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों के पर पर रहने के कारण शुरुआत इन्हीं से की गई है।

वासिफ अली के साथ था दुगार्पुर दुष्कर्म पीड़िता का प्रेम संबंध

- पुलिस को गुमराह करने के लिए दोनों लगातार बदल रहें बयान

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

फोटोः हि.स.

दुगार्पुर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस काफी तत्परता से जांच में जुटी है। हालांकि दुष्कर्म पीड़िता लगातार अपना बयान बदल रही है। जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता और इस मामले में गिरफ्तार उसके सहपाठी वासिफ अली के बीच प्रेम संबंध था। व्हाट्सएप चैट और अन्य साक्ष्य से यह साबित हो गया है।

हालांकि दोनों लगातार अपना बयान बदल रहे हैं ताकि पुलिस जांच को गुमराह किया जा सके। यह भी पता चला है कि दोनों मिलने के लिए उसी जंगल में गए थे जहां दुष्कर्म हुआ था। अधिकारी ने कहा है कि पीड़िता का गिरफ्तार सहपाठी वासिफ अली के साथ निजी संबंध था और दोनों ने रात को साथ बाहर जाने की बात स्वीकार की है। पुलिस इन बदलावों को गंभीर मान रही है और उन्हें जानबूझकर जांच को गुमराह करने की कोशिश समझ रही है। सूत्रों ने बताया कि कई मौकों पर दोनों के बयान एक-दूसरे से मेल नहीं खाए। पुलिस अफसरों के अनुसार, पूछताछ में मिले विरोधाभासों के कारण वासिफ अली को भी हिरासत में लिया गया है। वहीं, अन्य आरोपितों से भी कई बार समकक्ष पूछताछ करवाई गई और आरोपितों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई। जांच में मिले कुछ फोरेंसिक नमूने भी तफ्तीश का हिस्सा बने हुए हैं। जांच दल का कहना है कि मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए हर पहलू की स्क्रूटनी की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी के बयानों से जांच भटकी है तो उसे ठीक किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता के पिता ने पहले सीबीआई जांच की मांग की थी। पुलिस ने कहा है कि अनुरोध दर्ज किया जाएगा पर अभी तक मामले की प्राथमिक जांच उन्हीं दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर जारी है जिन पर हाल में पकड़ भी बनाई गई है।

अवैध संबंधों के चलते युवक की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

हावड़ा। हावड़ा के शिवपुर इलाके में विवाहेत्तर संबंध के कारण एक युवक की हत्या से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रवि प्रसाद (40) के रूप में हुई है। यह घटना गुरुवार रात कसुंदिया स्थित गणेश माजी लेन के कांचकला मैदान इलाके के एक बहुमंजिला आवास में हुई। पुलिस ने घटना के एक घंटे के भीतर ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित का नाम विकास चौधरी है, जो उसी आवास के एक फ्लैट में रहता था। उसकी पत्नी और मृतक रवि प्रसाद के बीच लंबे समय से विवाहेत्तर संबंध था। इसी को लेकर दोनों के बीच बार-बार झगड़े होते रहते थे, जो अक्सर फोन पर भी जारी रहते थे। गुरुवार रात स्थिति बेकाबू हो गई और गुस्से में विकास ने रवि प्रसाद पर हमला कर दिया। पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही शिवपुर थाने की टीम मौके पर पहुंची। थोड़ी ही देर बाद हावड़ा थाने की पुलिस ने इलाके के एक ठिकाने से फरार विकास को हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि हत्या की इस वारदात में विकास के अलावा कोई और शामिल था या नहीं। फिलहाल आरोपित से लगातार पूछताछ जारी है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

लाखों की अवैध आतिशबाजी और बारूद संग चार गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)

झांसी

फोटोः हि.स.

दीपावली पर अवैध रूप से बिना लाइसेंस के बारूद बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की तैयारी करने वालों पर प्रशासन की नजरें टेढ़ी हैं। इसके चलते गुरुवार की शाम से लेकर अब तक जिले के तीन अलग-अलग स्थानों से पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही लाखों का माल भी बरामद किया है।

बबीना थाना क्षेत्र के बबीना खास व खैलार में एसडीएम गोपेश तिवारी और सीओ सदर आसमा वकार ने छापेमारी की कार्रवाई की। वहां विजय सहगल और रतन सहगल के गोदाम पर छापा मारा। यहां से प्रशासन की टीम को चार सौ किलो से भी ज्यादा आतिशबाजी मिली। जब एसडीएम ने दोनों लोगों से आतिशबाजी से जुड़े लाइसेंस और दस्तावेज मांगे तो वह नहीं दिखा सके। इसके बाद मौके पर ही आतिशबाजी और गोदाम को सीज कर दिया गया। एडीएम गोपेश तिवारी ने आज जानकारी देते हुए बताया कि बबीना थाना क्षेत्र के दो व्यापारियों के गोदाम पर छापेमारी के दौरान चार सौ किलो से ज्यादा आतिशबाजी पकड़ी गई है। दोनों लोग मौके पर लाइसेंस भी नहीं दिखा सके, जिसके बाद गोदाम और माल सीज कर दिया गया। साथ ही बबीना थाना प्रभारी को जांच कर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अवैध विस्फोटक सामग्री भंडारण ओर बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरसराय थाना पुलिस ने ग्राम आमली की ओर जाने वाले मार्ग पर आड़ी सड़क के पास से कांशीराम कॉलोनी गुरसराय निवासी साबिर उर्फ सोहिल को प्लास्टिक की बोरियों में अवैध विस्फोटक सामग्री ले जाते पकड़ लिया।

इ्यूटी से कम पैसे देने पर भड़का सिक्योरिटी गार्ड, कुल्हाड़ी से कर दी हत्या

एजेंसी (हि.स.)

रामगढ़

फोटोः हि.स.

रामगढ़ शहर में कॉलेज के समीप एक निमार्णाधीन अपार्टमेंट में बुधवार की देर रात एक सिक्योरिटी गार्ड अचानक से अपने साथी पर भड़क गया। उसने नशे की हालत में ही कुल्हाड़ी से पीट कर अपने साथी की हत्या कर दी। मृतक की पहचान बाजार समिति निवासी सुनील सिंह के रूप में हुई है। इस हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारा सिक्योरिटी गार्ड शंकर महतो खुद रामगढ़ थाने पहुंचा और उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार शंकर महतो रजरप्पा थाना क्षेत्र के बहातु जमीरा गांव का रहने वाला है। सुनील सिंह की हत्या करने के बाद शंकर महतो जरा भी घबराया नहीं। उसने कुल्हाड़ी को अपने कमरे में ही छोड़ दिया और साइकिल उठाकर सीधे रामगढ़ थाने पहुंचा। उसने पुलिस को बताया कि उसने अपने सहयोगी सुरक्षा गार्ड सुनील सिंह की हत्या कर दी है। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि शंकर महतो ने अपने गुस्से का कारण भी बताया है। उसने कहा कि उससे जितना काम कराया जाता था, उसके एवज में मिलने वाली रकम कम थी। इसके अलावा सुनील सिंह अक्सर मालिक से उसकी शिकायत करता था। जिसकी वजह से उसे डांट भी पड़ती थी। बुधवार को भी सुनील सिंह के द्वारा ऐसी ही हरकतें की गई थी। रात में शंकर महतो ने शराब पी और नशे की हालत में सुनील सिंह पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उसने कनपटी पर कई बार वार किया, जिससे घटनास्थल पर ही सुनील सिंह की मौत हो गई।

उपलब्धि

विद्युत परियोजना की यूनिट-1 का 72 घंटे का ट्रायल सफल

पीवीयूएनएल ने हासिल किया एक बड़ा माइलस्टोन

- झारखंड को मिलेगा विद्युत उत्पादन का 85 प्रतिशत : सीईओ

एजेंसी (हि.स.)

रामगढ़

फोटोः हि.स.

एनटीपीसी की सहायक इकाई और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के संयुक्त उद्यम पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने अपनी प्रमुख विद्युत परियोजना (चरण-क 3X800 मेगावाट) की यूनिट-1 का 72 घंटे का सफल ट्रायल ऑपरेशन को पूर्ण कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है।

यह सफलता झारखंड की विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने, राज्य की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने तथा भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं में सार्थक योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना की नींव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 25 मई 2018 को रखी गई थी। इस माइलस्टोन अवसर पर सीईओ एके सहगल, जीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी, जीएम ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस मनीष क्षेत्रपाल, जीएम प्रोजेक्ट विष्णु दत्ता दास, जीएम मेंटेनेंस ओ.पी. सोलंकी तथा जीएम टी एंड एस संगीता दास सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में सीईओ एके सहगल ने कहा कि पीवीयूएनएल झारखंड राज्य को अपनी कुल विद्युत उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे कर्मियों के अथक प्रयासों, झारखंड सरकार के सहयोग और सभी हितधारकों के समर्थन से ही संभव हो सकी है। पीवीयूएनएल में नवीनतम उन्नत तकनीकों को अपनाया गया है। यह पूरी तरह से ड्राई ऐश यूटिलाइजेशन सिस्टम जो सर्कुलर इकॉनमी को प्रोत्साहित करता है। अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक जो कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करती है और एयर-कूल्ड कंडेंसर प्रणाली जो जल संरक्षण एवं सतत विकास सुनिश्चित करती है।

राज्य के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति

सीआई ने बताया कि यूनिट-एक के सफल ट्रायल ऑपरेशन की यह उपलब्धि पीवीयूएनएल, एनटीपीसी, झारखंड सरकार तथा सभी साझेदार संस्थाओं की सामूहिक प्रतिबद्धता और समन्वित प्रयासों का परिणाम है। जिसने राष्ट्र के लिए एक विश्वसनीय, पर्यावरण-अनुकूल और कुशल ऊर्जा तंत्र के निर्माण के लक्ष्य को एक नई दिशा प्रदान की है। परियोजना के पूर्ण रूप से चालू हो जाने पर 3x800 मेगावाट की यह परियोजना झारखंड राज्य में ऊर्जा की उपलब्धता और विश्वसनीयता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी। जिससे राज्य के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

भारत-पाकिस्तान विश्व कप मुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

बना महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्तूबर को खेले गए महिला वनडे विश्व कप मुकाबले ने दर्शक संख्या के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इस मैच ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 28.4 मिलियन की पहुंच और 1.87 अरब मिनट के व्यूइंग टाइम के साथ महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच बन गया है।

आईसीसी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि यह मुकाबला दर्शक संख्या के लिहाज से टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच रहा। वहीं, लीग चरण के पहले हिस्से में भी दर्शकों की संख्या में

दर्शक संख्या के लिहाज से टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच

रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि देखने को मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच टीवी पर भी विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा रेटिंग वाला लीग मैच बन गया है। टूर्नामेंट के पहले 11 मैचों ने कुल 72 मिलियन दर्शकों तक पहुंच बनाई, जो पिछली बार की तुलना में 166% अधिक है। इसके साथ ही, व्यूइंग मिनट्स में 327% की वृद्धि दर्ज की गई और यह आंकड़ा 6.3 अरब मिनट तक पहुंच गया। स्टेडियम में दर्शकों की उपस्थिति भी उत्साहजनक रही है। भारत में भारतीय टीम के मैचों और श्रीलंका में श्रीलंका के मैचों में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। हालांकि, अन्य टीमों के मुकाबलों में दर्शक संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कोलंबो में जब भारत या श्रीलंका नहीं खेल रहे होते हैं तो दर्शक संख्या हजारों में रही है। मौसम ने भी उपस्थिति को प्रभावित किया है। आईसीसी और जियोहॉटस्टार के संयुक्त आंकड़ों के मुताबिक, टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों तक 60 मिलियन से अधिक दर्शक पहुंचे, जो 2022 संस्करण की तुलना में पांच गुना अधिक है। वहीं कुल वॉच टाइम 7 अरब मिनट तक पहुंच गया, जो पिछले टूर्नामेंट से 12 गुना अधिक है। 12 अक्तूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में 4.8 मिलियन पीक समकालिक दर्शक दर्ज किए गए, जो महिला क्रिकेट के इतिहास में एक और नया रिकॉर्ड है।

फोटोः हि.स.

रिकॉर्ड एक नजर में

- **भारत-पाकिस्तान मैच की पहुंचः** 28.4 मिलियन व्यूइंग टाइमः 1.87 अरब मिनट
- **कुल पहुंच (पहले 11 मैच)ः** 72 मिलियन व्यूइंग टाइम (कुल)ः 6.3 अरब मिनट
- **ऑस्ट्रेलिया मैच पर पीक व्यूअरशिपः** 4.8 मिलियन

यह उपलब्धि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों में बढ़ते रोमांच को दर्शाती है।

देशव्यापी 'कश्मीर से कन्याकुमारी' और 'पैडल टू प्लांट' साइकिलिंग अभियान 31 से शुरू

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4480 किमी की साइकिलिंग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का प्रमुख मिशन 'फिट इंडिया' सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 31 अक्तूबर से देशव्यापी दो बड़े साइकिलिंग अभियानों का आयोजन करने जा रहा है। इन अभियानों का नाम 'आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी' रखा गया है, जो देश की एकता, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे।

कश्मीर टू कन्याकुमारी साइकिलिंग अभियान 31 अक्तूबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से शुरू होगा। यह यात्रा पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक होते हुए 16 नवंबर को कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में समाप्त होगी। इस ऐतिहासिक यात्रा में 150 साइकिल सवार हिस्सा लेंगे, जो सरदार पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित एक अनूठा सम्मान होगा। इस अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध पर्वतारोही निशा कुमारी करेंगी, जिन्होंने 17 मई, 2023 को माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल की थी और भारत से लंदन तक साइकिल यात्रा कर चेंज बिफोर क्लाइमेट चेंज का संदेश दिया था।

फोटोः हि.स.

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, हमें सभी साइकिल चालकों को शुभकामनाएं देता हूं जो फिट इंडिया आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यह अभियान हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत के नागरिक फिट और स्वस्थ रहें। यह पहल उस दृष्टिकोण को और सशक्त बनाएगी। साइकिलिंग न केवल फिटनेस के लिए लाभदायक है बल्कि प्रदूषण कम करने का भी एक प्रभावी उपाय है। मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि वे रोजाना 30 मिनट से 1 घंटा साइकिलिंग को दें। डॉ. मांडविया द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान के विस्तार के रूप में आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी 1 लाख किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी लाएगा। यह पहल फिट इंडिया के पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को और मजबूत करेगी।

पैडल टू प्लांट से हरित संदेश

दूसरा अभियान ह्लपैडल टू प्लांट 4000 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के पांगसाउ से शुरू होकर असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से गुजरते हुए गुजरात के मुंद्रा में 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगी। यात्रा के दौरान साइकिल सवार 1 लाख पौधे लगाएंगे और विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में जलवायु परिवर्तन और फिटनेस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे।

गेविन लार्सन दोबारा बने न्यूजीलैंड के चयन प्रबंधक

एजेंसी (हि.स.)
वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज गेविन लार्सन एक बार फिर टीम के चयन प्रबंधक के रूप में लौट आए हैं। उन्होंने सैम वेल्स की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है। लार्सन इससे पहले 2015 से 2023 तक इसी भूमिका में रह चुके हैं, जिसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के क्लब वॉरविकशायर में परफॉर्मेंस डायरेक्टर के रूप में काम किया था। 61 वर्षीय लार्सन हाल ही में बास्केटबॉल टीम नेल्सन जायंट्स से जुड़े हुए थे। अब वे न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर के साथ मिलकर न्यूजीलैंड, न्यूजीलैंड ए और न्यूजीलैंड कके सभी दौरों के लिए टीम चयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपनी नियुक्ति पर लार्सन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्लब्लैककैप्स और राष्ट्रीय हाई परफॉर्मेंस माहौल में दोबारा वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट को लेकर बेहद

फोटोः हि.स.

जुनूनी हूं और एक बार फिर सर्वोच्च स्तर पर योगदान देने का मौका मिलना बेहद रोमांचक है। मैं इस गर्मी से काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं और टीम की सफलता में अपना योगदान देना चाहता हूं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य हाई परफॉर्मेंस अधिकारी डैरिल गिब्सन ने कहा कि लार्सन का अनुभव और आधुनिक खेल की समझ उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने कहा, ह्लगेविन की इस भूमिका को लेकर परिचितता और जिम्मेदारियों की गहरी समझ ने उनके चयन में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, उनके जुनून, ऊर्जा और दोबारा योगदान देने की इच्छा ने हमें प्रभावित किया।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टीम

हांगकांग। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका हांगकांग सिक्सेस की पांच बार की चैंपियन टीम है। उसने 1995, 2006, 2009, 2012 और 2017 में खिताब जीता था। घोषित टीम की कमान वॉरियर्स के ऑलराउंडर जॉर्डन मॉरिस संभालेंगे। साउथ अफ्रीका अंडर-19 और टाइटंस के युवा बल्लेबाज जोरिक वैन स्काल्क्विक को भी टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय इस ओपनर ने जुलाई में जिम्बाब्वे के खिलाफ दोहरा शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। टीम के बल्लेबाजी विभाग को मजबूती देने के लिए बोलैंड के ईथन कनिंघम और वेस्टर्न प्रोविंस के कशिफ जोसेफ को जगह दी गई है। ऑलराउंडर के रूप में वेस्टर्न प्रोविंस के अब्दुल्ला बायोमी और डॉल्फिन्स के ब्लेक सिम्पसन को शामिल किया गया है। गेंदबाजी की कमान वेस्टर्न प्रोविंस के तेज गेंदबाज म्बुलेलो ड्यूबे संभालेंगे। दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप ए में अफगानिस्तान और नेपाल के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मुकाबला 7 नवंबर को अफगानिस्तान से खेलेगी, जबकि 8 नवंबर को उसका सामना नेपाल से होगा।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम घोषित

बावुमा की दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में होगी वापसी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को भारत दौरे के लिए अपनी ए टीम की घोषणा कर दी। दौरे की शुरूआत 30 अक्तूबर से बेंगलुरु में दो चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैचों से होगी। दूसरा चार दिवसीय मैच 6 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। दोनों मुकाबले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। यह दौरा साउथ अफ्रीका की सीनियर टीम के भारत दौरे से पहले का अभ्यास दौरा होगा। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और डब्ल्यूटीसी विजेता कप्तान टेम्बा बावुमा चोट से उबरकर दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में वापसी करेंगे। वहीं, भारत 'ए' टीम की घोषणा अभी नहीं की गई है।

फोटोः हि.स.

दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम का पूरा स्क्वॉड

अनऑफिशियल टेस्ट के लिए स्क्वॉडः मार्क्वेस एकरमैन, टेम्बा बावुमा*, ओकुहले सेले, जुबायर हम्जा, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल सिमंड्स, त्शेपो न्दवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

वनडे सीरीज के लिए स्क्वॉडः मार्क्वेस एकरमैन, ओटनाइल बार्टमैन, ब्योर्न फॉरच्यून, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, क्वेना माफाका, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, नकाबा पीटर, डेलानो पोटगीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिनेथेम्बा क्वीशिले, जेसन स्मिथ, कोडी यूसुफ।

फीफा ने विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिकने की घोषणा की

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरूआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा,

फोटोः हि.स.

दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी रीसेल साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

धनतेरस पर होती है भगवान धन्वंतरि कुबेर और यमराज की पूजा

दीपावली पर्व का पहला दिन धनतेरस के रूप में मनाया जाता है, जिसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। यह दिन आरोग्य, आयु और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इस दिन उनकी विशेष पूजा का विधान है। धनतेरस के अवसर पर धन के देवता कुबेर और मृत्यु के देवता यमराज की आराधना भी की जाती है। कुबेर की पूजा से धन-धान्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है, जबकि यमराज की पूजा अकाल मृत्यु से रक्षा करती है। इस प्रकार धनतेरस आरोग्य और समृद्धि का पावन पर्व है।

ऐसे करें भगवान धन्वंतरि को प्रसन्न

धनतेरस के दिन प्रदोष काल में धन्वंतरि की मूर्ति या चित्र को स्थापित करें। आरोग्य की उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा में धनवंतरि की आराधना करने से उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। दीपोत्सव के इन पांच दिनों में प्रथम पूज्य गणेशजी के साथ ही धनाधिपति कुबेर और देवी लक्ष्मी की पूजा का विधान भी है। दीपक रखने से पूर्व खील या चावल रखकर उसके ऊपर दीपक जलाएं। अब एक कलश में शुद्ध जल लेकर सभी देवताओं को आचमन कराएं और फिर रोली, कुमकुम, हल्दी, गंध, अक्षत, पान, पुष्प, नैवेद्य या मिष्ठान, फल, दक्षिणा आदि उन्हें अर्पित कर प्रणाम करें और अपने रोगों के नाश की कामना करें। परिवार में दीर्घायु और आरोग्यता बनी रहे इसके लिए पूजा के दौरान 'ॐ नमो भगवते धन्वंतराय विष्णुरूपाय नमो नमः' मंत्र का उच्चारण करते रहें। आयुर्वेद के अनुसार भी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर और दीर्घायु से ही संभव है। शास्त्र भी कहते हैं कि 'शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम' अर्थात-धर्म का साधन भी निरोगी शरीर ही है, तभी आरोग्य रूपी धन के लिए ही भगवान धन्वंतरि की पूजा आराधना की जाती है। माना जाता है कि इस दिन धन्वंतरि की पूजा मनुष्य को वर्षपर्यंत निरोगी रखती है।

समृद्धि के लिए भगवान कुबेर की पूजा

धन के देवता कुबेर को आसुरी शक्तियों का हरण करने वाला देवता भी माना गया है। इस दिन सांयकाल में उत्तर दिशा में कुबेर यंत्र को स्थापित कर उन पर गंगाजल छिड़क कर रोली, चावल से तिलक करें, पुष्प चढ़ाएं और दीप जलाकर भोग लगाएं और इस मंत्र का जाप करें।

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय
धनधान्याधिपतये।
धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा॥

इसके पश्चात कुबेर जी की आरती व प्रणाम करके अपनी सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें।

यमराज पूजा

वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा यम की दिशा मानी गई है। धनतेरस के दिन प्रदोषकाल में घर के मुख्य दरवाजे पर यमदेव का स्मरण कर-के दक्षिणमुख होकर अन्न की ढेरी पर तेल का चारमुखी दीपक स्थापित करना चाहिए। चूंकि यह दीपक मृत्यु के देवता यमराज के निमित्त जलाया जाता है, इसलिए दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें प्रणाम कर प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर अपनी दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो।

धनतेरस पूजन मुहूर्त

- **तिथिः** 18 अक्तूबर 2025 (शनिवार)
- **प्रदोष कालः** सायं 5:48 बजे से रात्रि 8:20 बजे तक
- **वृषभ कालः** सायं 7:16 बजे से रात्रि 9:11 बजे तक
- **धनतेरस पूजा का शुभ मुहूर्तः** सायं 7:16 बजे से रात्रि 8:20 बजे तक
- **पूजा के लिए उत्तम समयः** वृषभ काल में ही पूजा करना श्रेष्ठ माना जाता है
- **पूज्य देवी-देवताः** भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देव
- **लाभः** इस समय पूजा करने से धन, स्वास्थ्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि वालों को 'ऊँ श्री लोकाध्यक्षाय नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। यह आपके लिए शुभ हो सकता है।
वृषभ राशि वाले 'ॐ धन्वन्तरये नमः' मंत्र का जाप करें। इससे धन-धान्य में वृद्धि के योग बन सकते हैं।
मिथुन राशि के जातक 'ॐ देवाय नमः' मंत्र का जाप करें। इससे शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।
कर्क राशि वालों को 'ॐ धामरूपिणे नमः' मंत्र का स्मरण करना चाहिए। यह आपके लिए कल्याणकारी हो सकता है।
सिंह राशि के लोग 'ॐ नित्याय नमः' मंत्र का जाप करें। इससे करियर में मनचाहा लाभ हो सकता है।
कन्या राशि वालों को 'ॐ सर्वेश्वराय नमः' मंत्र का स्मरण करना चाहिए। इससे अटके काम पूरे हो सकते हैं।
तुला राशि वालों को 'ॐ सत्याय नमः' मंत्र का एक माला के साथ जाप करना चाहिए।
वृश्चिक राशि के जातक 'ॐ सत्यनिष्ठाय नमः' मंत्र का जाप करें।
सुख-समृद्धि के लिए धनु राशि के लोग 'ॐ परात्पराय नमः' मंत्र का जाप करें।
मकर राशि वालों को 'ॐ चतुर्भुर्जाय नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। इससे सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।
कुंभ राशि के जातक 'ॐ प्रसन्नात्मने नमः' मंत्र का जाप करें।
मीन राशि के जातक 'ॐ कामदाय नमः' मंत्र का जाप कर सकते हैं।

धनतेरस पर चौघड़िया मुहूर्त

शुभ कालः सुबह 07:49 बजे से 09:15 बजे तक
लाभ कालः दोपहर 01:32 बजे से 02:57 बजे तक
अमृत कालः दोपहर 02:57 बजे से शाम 04:23 बजे तक
चर कालः दोपहर 12:06 बजे से 01:32 बजे तक

रात्रिकाल का चौघड़िया

शुभ कालः शाम 08:57 बजे से रात 10:32 बजे तक
लाभ कालः शाम 05:48 बजे से 07:23 बजे तक
अमृत कालः रात 10:32 बजे से अगले दिन 19 अक्तूबर 2025 की सुबह 00:06 बजे तक
चर कालः सुबह 12:06 बजे से 01:41 बजे तक

धनतेरस की पूजा विधि

सबसे पहले घर और पूजा स्थान की अच्छे से सफाई करें। मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएं और दीपक लगाएं, ताकि सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो। घर के उत्तर-पूर्व कोने में एक चौकी रखें और उस पर लाल या पीले रंग का साफ कपड़ा बिछाएं। यही पूजा का मुख्य स्थान होगा। एक तांबे या मिट्टी का कलश लें। उसमें गंगाजल और स्वच्छ पानी भरें, आम के पत्ते लगाएं और ऊपर एक नारियल रखें। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक होता है। भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी, भगवान कुबेर और गणेश जी की मूर्तियाँ या चित्र चौकी पर स्थापित करें। पूजन में हल्दी, कुमकुम, चंदन, अक्षत (चावल), फूल, धूप, दीप, मिठाई, मेवे और दक्षिणा चढ़ाएं। श्रद्धा के साथ मंत्रों का उच्चारण करें। पूजा के दौरान गाय के घी का एक बड़ा दीपक जलाएं। साथ ही 13 छोटे दीपक घर के अलग-अलग स्थानों पर जलाएं। यह दीर्घायु और समृद्धि का प्रतीक होता है। खील, बताशे, मिठाई और मेवे का भोग लगाकर सभी देवताओं की आरती करें। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य प्रसाद ग्रहण करें।

धनतेरस पूजा सामग्री लिस्ट

- भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी माता और कुबेर जी की मूर्तियाँ या चित्र
- गंगाजल और स्वच्छ पानी
- हल्दी, कुमकुम, चंदन, और इत्र
- ताजे फूल और फूलों की माला
- कलावा (मौली) और जनेऊ
- पूजा के लिए एक चौकी और उस पर बिछाने के लिए लाल या पीले रंग का कपड़ा
- कलश, आम के पत्ते, और नारियल
- भोग के लिए खील, बताशे, मिठाई और मेवे
- अक्षत (चावल) और साबुत धनिया
- 13 मिट्टी के दीये, गाय का घी, कपूर, और अगरबत्ती
- दक्षिणा और थोड़ी मात्रा में नमक
- चांदी या सोने का सिक्का, या कोई नई धातु की वस्तु
- एक नई झाड़ू

धनतेरस पर क्या खरीदें

- ❑ चांदी या सोने के सिक्के मां लक्ष्मी और कुबेर जी का प्रतीक माने जाते हैं।
- ❑ खासकर पीतल, तांबे या स्टील के बर्तन ये समृद्धि का प्रतीक हैं।
- ❑ नई झाड़ू को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और दरिद्रता दूर करने वाला।
- ❑ मोबाइल, लैपटॉप या घरेलू उपकरण आदि खरीदना शुभ होता है।
- ❑ वाहन या कोई नई धातु की वस्तु खरीदना नई शुरूआत के लिए शुभ माना जाता है।

धनतेरस पर क्या न खरीदें

- ❑ कांच के सामान नाजुक होते हैं और टूटने की संभावना से अशुभ माने जाते हैं।
- ❑ एल्यूमिनियम और लोहे के बर्तन को अशुद्ध धातु माना गया है।
- ❑ काले कपड़े, जूते आदि; ये नकारात्मकता से जुड़ी मानी जाती हैं।
- ❑ छुरी, कैंची या चाकू जैसी नुकीली वस्तुएं क्लेश और कटुता का प्रतीक मानी जाती हैं।

दान

अनाज का दान

धनतेरस के दिन गेहूं, चावल, दाल या अन्य अनाज का दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है। अनाज जीवन की मूलभूत आवश्यकता है और इसे दान करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। इस दान से घर-परिवार में भोजन और समृद्धि की कभी कमी नहीं होती। यह दान जरूरतमंदों को मदद पहुंचाने का भी जरिया है, जिससे समाज में संतुलन और भाईचारा बढ़ता है। अनाज का दान करने से आर्थिक संकटों से राहत मिलती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

कपड़ों का दान

धनतेरस के दिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को कपड़े दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। नए या साफ-सुथरे कपड़े देने से न केवल उन्हें सहारा मिलता है, बल्कि यह दान करने वाले के लिए भी शुभ फलदायक होता है। धार्मिक मान्यता है कि कपड़े दान करने से भगवान कुबेर और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है। ऐसा दान करने से धन में वृद्धि होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। इसके अलावा, यह सामाजिक उत्तरदायित्व भी निभाने का एक तरीका है, जिससे समाज में भाईचारा और प्रेम बढ़ता है।

मिठाई का दान

धनतेरस के दिन पूजा के दौरान मां लक्ष्मी को मिठाई का भोग लगाना बेहद शुभ होता है। साथ ही जरूरतमंदों को मिठाई का दान करने से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। मिठाई का दान करने से धन संबंधी परेशानियां दूर होती हैं और मन में संतोष की भावना बढ़ती है। यह दान सभी के बीच प्रेम और सौहार्द्र को बढ़ावा देता है। मिठाई का दान विशेष रूप से उस दिन की पूजा को और भी पवित्र और पूर्ण बनाता है।

तेल या घी का दान

धनतेरस के दिन तेल या घी का दान करना भी अत्यंत शुभ माना गया है। घी और तेल को प्रकाश के लिए उपयोग किया जाता है, इसलिए इसका दान अंधकार को दूर कर उजाले का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि तेल या घी का दान करने से जीवन के संकट, जैसे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं। यह दान भगवान धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की प्रसन्नता का कारण बनता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में स्वास्थ्य और समृद्धि आती है।

झाड़ू का दान

धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदना और उसे दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। झाड़ू घर में नकारात्मक ऊर्जा को साफ करने और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का प्रतीक होती है। मंदिर या जरूरतमंद व्यक्ति को झाड़ू दान करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से यह माना जाता है कि झाड़ू का दान करने से घर-परिवार में समृद्धि आती है और सभी प्रकार के कष्ट दूर होते हैं। इसके साथ ही, यह एक प्रतीकात्मक तरीका है जिससे हम अपने जीवन से बुरी चीजों को हटाने का संकल्प लेते हैं।

हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मोदी मॉडल चल रहा है: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता खुश है, इसलिए मेरे चेहरे पर मुस्कान रहती है

भूपेंद्र शर्मा
पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मोदी मॉडल चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार महत्वपूर्ण संकल्पों को पूरा किया जा रहा है। विकास के पथ पर अग्रसर हरियाणा निरंतर तरक्की की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने यह बात पंचकूला के रेस्ट हाउस में आयोजित पत्रकारवार्ता में पत्रकारों से सवाल जवाब के दौरान कहीं।

उन्होंने बिहार दौरे के संबंध में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मैं बिहार प्रचार के लिए जा रहा हूँ। कांग्रेस के शासन को जनता ने देखा हुआ है, बात बिहार की हो या पंजाब की, जनता विकास चाहती है। पंजाब के संबंध में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कांग्रेस और अब आम आदमी पार्टी ने वहां सब्जबाग दिखाएं है, झूठ बोलकर सत्ता हासिल कर ली। 2027 में वहां की जनता इन्हें जवाब देगी।

हंसी पर सवाल उठाने वालों को दिया जवाब: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने खुद की हंसी पर विपक्ष के नेताओं द्वारा सवाल उठाये जाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, या तो वो धरने पर बैठ जाते है या फिर इस प्रकार की बाते करते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता खुश है, इसलिए मेरे चेहरे पर मुस्कान रहती है। उन्होंने विपक्ष के नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि हंसना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

जापान की कई कंपनियां करना चाह रही इनवेस्ट: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान दौरे के वक्त कई कंपनियों ने हरियाणा आने की इच्छा जाहिर की है। महाभारत का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बर्बरीक को केवल सुदर्शन नजर आ रहा था, वैसे ही जापान में केवल और केवल मोदी–मोदी ही लोग कह रहे थे। जिस भी व्यक्ति से वहां बात हुई या जो भी उनसे मिला, उन्होंने पीएम श्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों को सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन के इस दौरे में 5 हजार करोड़ से ज्यादा के एमओयू साइन हुए है।

धनतेरस पर खुलेगी तहसील: मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को धनतेरस की बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा की तहसील धनतेरस के दिन भी खुलेगी। बकायदा वहां संबंधित कर्मचारी और अधिकारी रहेंगे तथा लोगों की रजिस्ट्री भी करेंगे।

किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगी सरकार: दिवंगत आईपीएस श्री वाई पूर्णकुमार और एएसआई श्री संदीप से संबंधित एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दोनों ही घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण है। एक घटना की जांच चंडीगढ़ पुलिस और दूसरे की हरियाणा पुलिस कर रही है। किसी भी परिवार के साथ सरकार अन्याय नहीं होने देगी। मामले की जांच में दूध का दूध और पानी का पानी जरूर होगा। इस दौरान मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, विधायक श्रीमती शक्तिरानी शर्मा, डीजीपी श्री ओपी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

सोलन में शुरू हुई हिमाचल प्रदेश की दूसरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) लैब

सोलन/चंडीगढ़। शूलिनी विश्वविद्यालय के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने अपना 18वां साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) लैब उद्घाटित किया, जो राष्ट्रीय मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (एनएम-आईसीपीएस), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित है। यह लैब हिमाचल प्रदेश में स्थापित दूसरी सीपीएस लैब है, जो राज्य की शिक्षा और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शांत पहाड़ियों के बीच स्थित यह लैब तकनीकी उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. प्रेम कुमार खोसला (चांसलर, शूलिनी विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रो. रणबीर चंदर सोबती (कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय), श्रीमती सरोज खोसला (संस्थापक, अध्यक्ष एवं ट्रस्टी, एफएलएसबीएम), डॉ. राधिका त्रिखा (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईआईटी रोपड़झटीआईएफ ऑवध), और डॉ. मुकेश सी. केस्टवाल (मुख्य नवाचार अधिकारी, आईआईटी रोपड़झटीएफ ऑवध) भी मौजूद थे। परियोजना प्रबंधक श्री देशराज धीमान और तकनीकी टीम ने लैब का दौरा कराया, जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने अत्याधुनिक संसाधनों को देखा। यह लैब शिक्षा, अनुसंधान, प्रोटोटाइपिंग, परीक्षण और सहयोग के लिए एक समग्र मंच के रूप में कार्य करेगी। लैब में प्रमुख सुविधाएँ में शामिल हैं: आईआईटी रोपड़ द्वारा विकसित आईओटी किट्स, बीएलई विकास उपकरण, पर्यावरणीय सेंसर, और 3डी प्रिंटर। तकनीकी टीम ने पहले प्रशिक्षण सत्र में 35 छात्रों और शिक्षकों को सीपीएस टूलकिट्स और प्रयोग आधारित सीखने से परिचित कराया।

सीजीएसटी फरीदाबाद ने विशेष अभियान 5.0 के तहत आयोजित किया मेगा ई-वेस्ट निस्तारण ड्राइव

चंडीगढ़/फरीदाबाद। सीजीएसटी पंचकूला जोन के अंतर्गत सीजीएसटी फरीदाबाद आयुक्तालय द्वारा चल रहे विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत एक मेगा ई-वेस्ट निस्तारण ड्राइव आयोजित की गई। यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को संस्थागत बनाना और लंबित कार्यों का निपटान करना है। ड्राइव के दौरान, पुरानी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की महत्वपूर्ण मात्रा – जिसमें 57 मॉनिटर, 30 सीपीयू, 20 कीबोर्ड, 10 माउस डिवाइस, 24 प्रिंटर और 1 स्कैनर शामिल हैं – की पहचान की गई, एकत्र की गई और ई-वेस्ट प्रबंधन नियम, 2022 के अनुसार निपटान के लिए सौंप दी गई, जो कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हैं। सरकारी कार्यालयों में उत्पन्न ई-वेस्ट के निपटान पर भी विशेष अभियान 5.0 का ध्यान केंद्रित है। इस पहल के तहत, श्री रियाज अहमद, आयुक्त, सीजीएसटी फरीदाबाद, श्री आदित्य यादव, संयुक्त आयुक्त, श्रीमती रुबल सरोहा, संयुक्त आयुक्त, और आयुक्तालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने ई-कचरा को वैज्ञानिक निपटान के लिए अधिकृत नामित एजेंसी को प्रतीकात्मक रूप से सौंपने में भाग लिया। विशेष अभियान 2025 का उद्देश्य सभी मंत्रालयों, विभागों तथा उनसे संबद्ध कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं स्वायत्त संगठनों में स्वच्छता का प्रसार कर सरकारी कार्यालयों की समग्र स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा आम जनता के सरकारी कार्यालयों के साथ अनुभव को और बेहतर बनाना है।

ग्राहकों के लिए बड़ी राहत, इंडिया पोस्ट चंडीगढ़ डिवीजन ने डाकघरों का समय बढ़ाया

चंडीगढ़। भारतीय डाक (इंडिया पोस्ट) के चंडीगढ़ डिवीजन आगामी समय में ग्राहक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए 12 चयनित डाकघरों में कारोबारी घंटों का विस्तार करने जा रहा है। इन डाकघरों में देर रात तक काउंटर पर सभी प्रकार के जवाबदेह लेखों की बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पहले ये डाकघर केवल शाम 4 बजे तक सेवाएं प्रदान करते थे। भविष्य में, खरड़ डाकघर, चंडीगढ़ के सेक्टर-19, सेक्टर-22, सेक्टर-30 डाकघर और एसएएस नगर के सेक्टर-55, सेक्टर-59, सेक्टर-71 डाकघर शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे, जबकि मोरिंडा, मुल्लांपुर, इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़ , सेक्टर-12, चंडीगढ़ और मनीमाजरा डाकघर शाम 4:30 बजे तक सेवाएं प्रदान करेंगे। इस पहल से स्थानीय लोग, औद्योगिक इकाइयां, दुकानदार और छोटे उद्यमी इंडिया पोस्ट के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए अपने पार्सल देर रात तक भेज सकेंगे। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ डिवीजन के मुख्य डाकघरों में रात के काउंटर भी उपलब्ध रहेंगे। चंडीगढ़ जीपीओ सोमवार से शनिवार रात 8 बजे तक खुला रहेगा और रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सभी प्रकार के लेखों की बुकिंग की सुविधा प्रदान करेगा। वहीं, रोपड़ मुख्य डाकघर सोमवार से शनिवार रात 7 बजे तक सेवाएं देगा। चंडीगढ़ डाक डिवीजन भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और ग्राहक संतुष्टि को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कदम उठाता रहेगा, ताकि जनता को परेशानी मुक्त डाक, बैंकिंग और बीमा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान, चंडीगढ़ में व्यवसाय प्रबंधन में डीजीआर प्रायोजित सर्टिफिकेट कोर्स का समापन समारोह किया आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, चंडीगढ़ में आज दिनाक 17 अक्टूबर 2025 को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निदेशालय जनरल ऑफ रिसेटलमेंट (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित 24 सप्ताह के व्यवसाय प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का समापन एवं दीक्षांत समारोह बड़े उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम भारतीय थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना के 19 अधिकारियों के लिए 05 मई 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक संचालित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर सुधीर मलिक, ए.डी.जी., निदेशालय जोन वेस्ट, चंडीमंदिर रहे। उनका स्वागत संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। मुख्य अतिथि द्वारा सर्वप्रथम संस्थान परिसर में एक पेड़ मां के नाम पहल के अंतर्गत एक पौधा रोपित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस पाठ्यक्रम ने उन्हें व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय योजना, विपणन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तथा सहकारी संस्थागत ढाँचे की गहन समझ प्रदान की है। यह प्रशिक्षण उन्हें सैन्य सेवा के पश्चात नागरिक जीवन में उद्यमिता, व्यवसायिक प्रबंधन, सहकारी क्षेत्र में नेतृत्व एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करता है। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर सुधीर मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि डीजीआर का प्रमुख उद्देश्य देश के पूर्व सैनिकों को नवीन जीवन कौशल एवं प्रबंधकीय दक्षता प्रदान करना है, ताकि वे सेवानिवृत्ति के पश्चात भी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। डीजीआर समय-समय पर देश के विभिन्न प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों के सहयोग से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जिससे पूर्व सैनिक उद्यम स्थापित कर सकें, सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें तथा निजी क्षेत्र में भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण केवल एक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि एक नए करियर की दिशा में सशक्त कदम है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने अनुभव और ज्ञान को समाजहित में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों द्वारा निदेशक महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की कार्यप्रणाली की समीक्षा की

संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के मुख्य सचिव, श्री एच. राजेश प्रसाद, आईएएस ने आज चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (सीएचबी) की कार्यप्रणाली की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, परिचालन दक्षता में सुधार करना और संगठन के भीतर अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करना था। बैठक में सीएचबी के स्वीकृत पदों की संख्या, लंबित बकाया की वसूली और अन्य कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। मुख्य सचिव ने चंडीगढ़ निवासियों को आवास उपलब्ध कराने में सीएचबी की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए बोर्ड को निर्देश दिया कि वह शहर के समग्र विकास में अपने योगदान का एक व्यापक खाका तैयार करे। उन्होंने यह भी कहा कि शहर की विकास और शहरी नियोजन की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचारी आवास योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के क्रियान्वयन के मद्देनजर, मुख्य सचिव ने सीएचबी को निर्देश दिया कि वह बैंकों के सहयोग से अधिक जनजागरूकता अभियान चलाए ताकि योजना का सुचारू कार्यान्वयन और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। चंडीगढ़ प्रशासन के मॉडल सोलर सिटी के विजन को आगे बढ़ाते हुए, मुख्य सचिव ने सीएचबी को निर्देश दिया कि वह सीएचबी फ्लैट्स की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना की प्रक्रिया आरंभ करे। यह पहल सीआरईएसटी (चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी) के सहयोग से की जाएगी। बैठक में श्री दीप्रवा लकड़ा, आईएएस, वित्त सचिव, यूटी चंडीगढ़; श्री प्रदीप कुमार, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीएचबी; तथा चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एसडी कॉलेज करेगा 66 वें पीयू जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल की मेजबानी, वीसी ने किया लोगो का अनावरण

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज 66 वें पंजाब यूनिवर्सिटी जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2025-26 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फेस्टिवल दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। फेस्टिवल का पहला चरण 25 व 26 अक्टूबर को होगा और दूसरा चरण 1 व 2 नवंबर को आयोजित होगा। इसमें संगीत, नृत्य, रंगमंच, साहित्य और ललित कलाओं में विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं प्रदर्शित की जाएंगी। यूथ फेस्टिवल के आधिकारिक लोगो अनावरण समारोह का आयोजन वीरवार को पंजाब यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर कार्यालय में हुआ और पीयू की वीसी प्रो. रेणु विग ने डॉयरेक्टर यूथ वेलफेयर सुखजिंदर ऋषि, असिसटेंट डॉयरेक्टर तेजिंदर गिल, जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, एएस कॉलेज, खन्ना के प्रिंसिपल डॉ. केके शर्मा और आयोजन सचिव व डीन को-करिकुलर एक्टीविटीज प्रो. रविंदरजीत सिंह की उपस्थिति में लोगो का अनावरण किया।

लुधियाना स्थित आत्म वल्लभ जैन कॉलेज के कामर्स विभाग के डॉ. मनोज अरोड़ा द्वारा डिजाइन किया गया यह लोगो विविधता में एकता और युवाओं की जीवंत भावना का खूबसूरती से प्रतीक है। यह इस वर्ष की थीम - रएक सतत भविष्य के लिए प्रकृति का पोषणर का एक दृश्य रूप है। उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी के लिए चुने जाने पर प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और जीजीडीएसडी कॉलेज की फैकल्टी को बधाई दी। इस फेस्टिवल को कलात्मक प्रतिभा के जीवंत संगम के रूप में देखा जा रहा है, जहां पंजाब यूनिवर्सिटी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों के छात्र सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, सहयोग और युवा उत्साह का सार मनाने के लिए एक साथ आएंगे। डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि पंजाब यूनिवर्सिटी से संबद्ध सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी संस्थानों में से एक जीजीडीएसडी कॉलेज को युवा, रचनात्मकता और संस्कृति के इस भव्य उत्सव के आयोजन का सम्मान सौंपा गया है। आभार और गर्व व्यक्त करते हुए, डॉ. अजय शर्मा ने इस मौके पर फेस्टिवल की तैयारियों की आधिकारिक शुरूआत की घोषणा की और कहा कि हेरिटेज और यूथ एक्सीलेंस के ऐसे प्रतिष्ठित उत्सव की मेजबानी करना जीजीडीएसडी कॉलेज और चंडीगढ़ शहर के लिए बहुत सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह लोगो केवल एक डिजाइन नहीं बल्कि आज के युवाओं की आवाज, दृष्टि और रचनात्मक जीवंतता का प्रतिनिधित्व करता है। पूरे कैंपस में पहले से ही जोरदार तैयारियां चल रही हैं, लोगो का लोकार्पण एक ऐसे फेस्टिवल की ओर रोमांचक यात्रा की शुरूआत है जो जुनून, प्रदर्शन और भागीदारी का एक भव्य उत्सव होने का वादा करता है।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब ने पत्रकारों के प्रति चंडीगढ़ पुलिस कर्मियों के दुर्व्यवहार की निंदा की

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रेस क्लब, जी न्यूज के पत्रकार कमलदीप सिंह और उनकी टीम के सदस्य दीपक और गुरसेवक; पीटीसी न्यूज के पत्रकार मनजोत; और लिविंग इंडिया न्यूज के पत्रकार दिलजीत के प्रति चंडीगढ़ पुलिस कर्मियों के अभद्र और गैर-पेशेवर व्यवहार की कड़ी निंदा करता है, जबकि वे समाचार एकत्र करने का अपना पेशेवर कर्तव्य निभा रहे थे। जी न्यूज की टीम एक थार वाहन से जुड़े हिट-एंड-रन मामले को कवर करने के लिए सेक्टर 45 पुलिस चौकी गई थी। समाचार कवरेज और सूचना एकत्र करने के दौरान, चंडीगढ़ पुलिस के सब-इंस्पेक्टर गुरजीवन सिंह ने कथित तौर पर पत्रकारों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उन्हें धमकियाँ दीं।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की माँग करता है। क्लब चंडीगढ़ पुलिस प्रशासन से यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी करने का भी आग्रह करता है कि पुलिस अधिकारी पत्रकारों को उनके पेशेवर कर्तव्यों का पालन करते समय अनावश्यक बाधाएँ न डालें या उन्हें डराएँ नहीं। ऐसी घटनाएं एक लोकतांत्रिक समाज में अस्वीकार्य हैं, जो प्रेस की स्वतंत्रता और बिना किसी भय या बाधा के रिपोर्टिंग के अधिकार को कायम रखता है।

डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 तक कर सकते हैं आवेदन: उपायुक्त

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक है। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग, विमुक्त जाति, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतू जाति तथा टपरीवास जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 31 जनवरी 2026 तक आवेदन पत्र पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कल्याण अधिकारी विशाल बंसल ने बताया कि आवेदन करने वाले प्रार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 4 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र छात्र व छात्राओं का शैक्षणिक स्तर उंचा उठाने तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न कोर्स में 8000 रुपए से 12000 रूपए तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा उसने अगली कक्षा में प्रवेश लिया हो और उनके परिवार की वार्षिक आय 4 लाख रूपए से कम हो। उन्होंने बताया कि पात्रता मानदंड और योजना के अन्य विवरण विभाग की वेबसाईट पर देखे जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2583378 एवं जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि डा. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, घुमंतु, अर्ध घुमंतु जाति एवं टपरीवास जाति के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्र के लिए शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चंडीगढ़ प्रशासन के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ राज्य में जारी की गई पहचान पत्रों/दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की कुल संख्या से संबंधित जानकारी के विवरण पर बैठक की

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, श्री स्वप्निल एम. नाइक, आईएएस, यू.टी. चंडीगढ़ की अध्यक्षता में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा हेतु एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में यू.टी. प्रशासन के सभी विभागों, सीबीएसई, भारतीय जीवन बीमा निगम (छक्ठ), डाक विभाग, पासपोर्ट कार्यालय तथा लेखा महानियंत्रक कार्यालय, यू.टी. चंडीगढ़ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, श्री सौरभ कुमार अरोड़ा, पीसीएस ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया कि चंडीगढ़ में पिछला विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2002 में आयोजित किया गया था। अगला पुनरीक्षण कभी भी घोषित किया जा सकता है। सभी विभागों से अनुरोध किया गया कि वे अपने विभागों द्वारा जारी किए गए पहचान पत्रों, दस्तावेजों या प्रमाणपत्रों का विवरण तथा उनसे संबंधित अभिलेखों की उपलब्धता की जानकारी साझा करें ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके। इसके अतिरिक्त, भारत निर्वाचन आयोग के दिनांक 5 जून 2025 के निदेर्शों के संदर्भ में, जो मतदान केंद्र स्तर अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित हैं, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपने कर्मचारियों की जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बीएलओ के रूप में नियुक्त किया जा सके या विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जनशक्ति के रूप में तैनात किया जा सके। मतदाता साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, श्री स्वप्निल एम. नाइक, आईएएस ने सभी विभागों को मतदाता जागरूकता मंचों को पुनः सक्रिय करने तथा विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियों का नियमित रूप से आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी विभाग में अभी तक नोडल अधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है, तो शीघ्र नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि वीएएफ (श्अऋ) इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गलत सूचनाओं, भ्रांतियों और फेक न्यूज के प्रसार को रोकने के लिए, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़ के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स को फॉलो करें। साथ ही, सभी कर्मचारियों को भी इन आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स को फॉलो करने और विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित सत्यापित जानकारी व संदेशों के प्रसार में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।